वर्ष-14 · अंक 120
पृष्ठ-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
शनिवार, 08 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.......
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

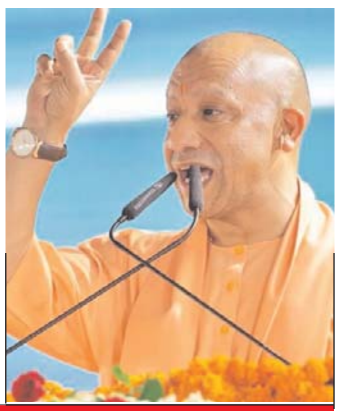

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून गाजियाबाद, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर 3
संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान.......... 4
'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में प्रतापगढ़ से सैकड़ों छात्र होंगे शामिल...................... 08

खराब खानपान पर रेलवे की सख्ती, कैटरर्स पर 5.13 करोड़ का जुर्माना

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उार में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 54 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कई लाइसेंसधारकों को लैकलिस्ट और डिबार भी किया गया है। डिबार किए गए लाइसेंसधारकों की सूची आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाती है। मंत्री ने बताया कि भारतीय रेलवे हर वर्ष औसतन 58 करोड़ भोजन पैकेट यात्रियों को उपलध कराता है। इसके मुकाबले भोजन की गुणवाा से संबंधित शिकायतें कुल परोसे गए भोजन का मात्र 0.0008 प्रतिशत हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेनों में भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता से समझौता करने वाले कैटरिंग सेवा प्रदाताओं के खिलाफ भारतीय रेलवे ने कड़ी कार्रवाई की है। केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि पिछले तीन वर्षों में खाद्य गुणवत्ता एवं स्वच्छता मानकों के उल्लंघन के मामलों में कैटरर्स पर कुल 5.13 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा 6 कैटरिंग ठेके रद्द किए गए हैं। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 54 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कई लाइसेंसधारकों को ब्लैकलिस्ट और डिबार भी किया गया है। डिबार किए गए लाइसेंसधारकों की सूची आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाती है। मंत्री ने बताया कि भारतीय रेलवे हर वर्ष औसतन 58 करोड़ भोजन पैकेट यात्रियों को उपलब्ध कराता है। इसके मुकाबले भोजन की गुणवत्ता से संबंधित शिकायतें कुल परोसे गए भोजन का मात्र 0.0008 प्रतिशत हैं। यात्रियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए रेलवे और आईआरसीटीसी द्वारा नियमित एवं औचक निरीक्षण किए जाते हैं। इनमें भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, कर्मचारियों की तैनाती, उपकरणों और नियामकीय मानकों की जांच की जाती है। रेलवे ने आधुनिक बेस किचन को बढ़ावा देने के साथ कई स्थानों पर अत्याधुनिक रसोइयां स्थापित की हैं। भोजन तैयार करने की प्रक्रिया पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे और स्वच्छता की निगरानी के लिए खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षकों की व्यवस्था की गई है। रेलवे ने यात्रियों को भोजन से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए पैकेटों पर क्यूआर कोड की सुविधा भी शुरू की है। इसे स्कैन करने पर यात्री पैकिंग की तारीख, लाइसेंसधारी का नाम और एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर जैसी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा ब्रांडेड कच्चे माल का इस्तेमाल, भोजन के नमूनों की नियमित जांच, पेंट्री कार एवं रसोईघरों की सफाई, कीट नियंत्रण, अनिवार्य एफएसएसएआई प्रमाणन, तृतीय-पक्ष ऑडिट और ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। कैटरिंग कर्मचारियों को ग्राहक सेवा, व्यक्तिगत स्वच्छता और पेशेवर व्यवहार का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

मोहन भागवत की बात नहीं मान रहे भाजपा के लोग : अभिजीत दिपके

छत्रपति संभाजीनगर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने मुंबई में मोहन भागवत के जेन जी और जेन अल्फा से बातचीत का समर्थन किया। इसके साथ ही चिंता जताई कि भाजपा के लोग मोहन भागवत की बात नहीं सुन रहे हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की जेन जी और जेन अल्फा के छात्रों के साथ बातचीत पर अभिजीत दिपके ने मीडिया से कहा, 'बातचीत के दौरान मोहन भागवत का सबसे अहम बयान यह था कि जेन जी और युवाओं को देश-विरोधी नहीं कहा जाना चाहिए। जो लोग विरोध कर रहे हैं, उन्हें ऐसा करने का अधिकार है और उनके मुद्दे जायज हैं। मैं चाहता हूं कि भाजपा के लोग भी मोहन भागवत की बात सुनें। जब हम आंदोलन कर रहे थे तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने हमें वायरस कहा था। इसी तरह धर्मेंद्र प्रधान ने हमें आतंकवादियों की बी टीम कहा था। मुझे लगता है कि इन लोगों को मोहन भागवत की बात सुननी चाहिए। मोहन भागवत भाजपा के मेंटर और गॉडफादर हैं। अपने ही मेंटर की बात भाजपा वाले नहीं मान रहे हैं, जो चिंताजनक है। ऐसे में लगता है कि आरएसएस और भाजपा में आपसी तालमेल नहीं है। भाजपा वाले अगर मोहन भागवत की बात मानेंगे तो अच्छा होगा।' वायरल वीडियो की जांच को लेकर अभिजीत दिपके ने कहा, 'जब फेक वीडियो की बात आती है, तो मेरा मानना ??है कि अगर जांच की जाए, तो ज़्यादातर फेक वीडियो आईटी सेल से जुड़े पाए जाएंगे। उन्होंने मेरे कई एआई-जनरेटेड वीडियो बनाए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद महुआ मोइत्रा ने याचिका वापस ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट से उस समय झटका लगा, जब शीर्ष अदालत ने पुलिस जांच में व्यक्तिगत रूप से पेश होने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होने की उनकी मांग पर सवाल उठाए। अदालत की कड़ी मौखिक टिप्पणियों के बाद महुआ मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए याचिका को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ महुआ मोइत्रा की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने कथित रूप से हिंसा भड़काने वाले सार्वजनिक बयानों से जुड़े मामले की जांच के लिए पुलिस के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। सुनवाई के दौरान महुआ मोइत्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनकी मुवक्किल को जांच में शामिल होने और पुलिस का सहयोग करने में कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ की अनुमति देने का अनुरोध किया। दलील सुनने के बाद पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ में शामिल होने की मांग पर सवाल उठाया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने पूछा, 'वर्चुअली क्यों? सिर्फ इसलिए कि आप सांसद हैं?' महुआ मोइत्रा की ओर से बताया गया कि पुलिस स्टेशन में व्यक्तिगत रूप से पहुंचने पर उन्हें भीड़ के हमले की आशंका है। उनके वकील ने एक पुराने घटनाक्रम का हवाला देते हुए कहा कि पहले भी उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से अंडे फेंके गए थे। इस आधार पर पुलिस स्टेशन में सुरक्षा संबंधी चिंता जताई गई। हालांकि, पीठ इस दलील से संतुष्ट नजर नहीं आई। अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति राजनीति में है तो ऐसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। पीठ ने स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष का उल्लेख करते हुए भी टिप्पणी की कि इस तरह की अर्जियां अदालत के सामने नहीं आनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के बाद महुआ मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत से याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। पीठ ने अनुमति दे दी और याचिका को वापस लिया हुआ मानते हुए खारिज कर दिया। इससे पहले महुआ मोइत्रा ने जांच अधिकारी के समक्ष पुलिस स्टेशन में व्यक्तिगत रूप से पेश होने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जांच में शामिल होने की अनुमति के लिए शीर्ष अदालत का रुख किया था। उनका तर्क था कि व्यक्तिगत रूप से पुलिस स्टेशन जाने पर अप्रिय स्थिति पैदा होने की आशंका है। इस मामले में इससे पहले हाईकोर्ट ने महुआ मोइत्रा को अंतरिम राहत देते हुए उनके खिलाफ गिरफ्तारी समेत किसी भी तरह की कठोर पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाई थी। यह अंतरिम संरक्षण 5 अक्टूबर तक दिया गया था। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया था कि मोइत्रा को जांच में पूरा सहयोग करना होगा और पुलिस अपनी जांच जारी रख सकती है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि यदि महुआ मोइत्रा जांच में सहयोग करती हैं तो अंतरिम संरक्षण की अवधि के दौरान उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। पुलिस को निर्देश दिया गया था कि जब भी वह पूछताछ के लिए उपस्थित हों, उनके साथ किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट को बताया गया था कि पुलिस ने महुआ मोइत्रा को पूछताछ के लिए चार बार नोटिस भेजे थे।

ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक में जन-केंद्रित नीति पर भारत का जोर

भुवनेश्वर (एजेंसी)। 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक शुक्रवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की घोषणा को अपनाए जाने के साथ संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने की। उन्होंने ब्रिक्स सहयोग के प्रति भारत की जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम नीति के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शिक्षा समावेशी विकास और साझा समृद्धि की आधारशिला है। भारत की वर्ष 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता का निर्माण' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को युवाओं को उभरते अवसरों के लिए तैयार करने के साथ मानवीय मूल्यों से भी जोड़ना होगा। जोशी ने कहा कि शिक्षार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और युवाओं को नीतिनिर्माण तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के केंद्र में रखा जाना चाहिए। उन्होंने पारंपरिक और देशज ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी जोर दिया। उनके अनुसार नवाचार और विरासत एक-दूसरे के पूरक हैं तथा ब्रिक्स देशों की समृद्ध सभ्यतागत परंपराएं पारंपरिक ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करती हैं। बैठक में ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, ईरान, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात समेत ब्रिक्स सदस्य देशों के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की घोषणा में शिक्षा को ब्रिक्स सहयोग के प्रमुख स्तंभ के रूप में मजबूत करने और पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में साझा कार्ययोजना पर सहमति बनी। इनमें प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा तथा बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता को मजबूत करना प्रमुख है। बैठक में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा तक सार्वभौमिक और समावेशी पहुंच बढ़ाने, बच्चों की विद्यालयी तैयारी मजबूत करने तथा प्रारंभिक शिक्षा में आयु-उपयुक्त डिजिटल साधनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर भी सहमति बनी।

डाबर को हाईकोर्ट से अंतरिम राहत, एफएसएसएआई के आदेश पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को डाबर इंडिया लिमिटेड को अंतरिम राहत देते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के उस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी, जिसमें कंपनी के कुछ खाद्य उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया था। इन उत्पादों पर '100 प्रतिशत' प्राकृतिक, शुद्ध, जैविक और अन्य दावे किए गए थे। न्यायमूर्ति अमित महाजन की एकल पीठ ने डाबर की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया कंपनी को सुनवाई का अवसर दिए बिना इस तरह का प्रतिबंध आदेश पारित नहीं किया जाना चाहिए था। अदालत ने अगली सुनवाई तक विवादित आदेश पर रोक लगा दी। अदालत ने मामले में केंद्र सरकार और एफएसएसएआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 24 अगस्त को होगी। एफएसएसएआई ने डाबर के कुछ उत्पादों पर '100 प्रतिशत प्राकृतिक', '100 प्रतिशत शुद्ध', '100 प्रतिशत शुद्धता की गारंटी', '100 प्रतिशत ऑर्गेनिक' और '100 प्रतिशत टेंडर नारियल पानी' जैसे दावों पर आपत्ति जताई थी। नियामक का कहना था कि इस तरह के दावे अस्पष्ट और सत्यापित न किए जा सकने वाले हैं तथा इनसे उपभोक्ता गुमराह हो सकते हैं।

असम बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आए अनुपम खेर, 5 लाख रुपये दिए

मुंबई। असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए अभिनेता अनुपम खेर आगे आए हैं। उन्होंने असम मुख्यमंत्री राहत कोष में 5 लाख रुपये का योगदान दिया है। यह राशि उन्होंने आरटीजीएस के माध्यम से राहत कोष में भेजी, ताकि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए चलाए जा रहे बचाव, राहत और पुनर्वास कार्यों में मदद मिल सके। अनुपम खेर ने कुछ दिन पहले सामाजिक माध्यम के जरिए देशवासियों से भी असम के बाढ़ पीड़ितों की मदद करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि बाढ़ से बड़े पैमाने पर तबाही हुई है और लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटी-सी मदद भी उन परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है, जो आपदा के बाद अपनी जिंदगी दोबारा शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं। असम मुख्यमंत्री राहत कोष का उपयोग बाढ़ प्रभावित लोगों के राहत और पुनर्वास कार्यों में किया जा रहा है। सरकार के साथ विभिन्न संस्थाएं और देशभर के लोग भी राहत कोष में योगदान दे रहे हैं।

जेन जी हमारे देश की ताकत और बहुत बड़ी धरोहर : कंगना रनौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा संचालित कार्यक्रम में जेन-जी' और जेन-अल्फा के साथ बातचीत का समर्थन करते हुए अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने शुक्रवार को मीडिया संग बातचीत में जेन जी को भारत की धरोहर बताया। छात्रों के प्रदर्शन पर और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के जेन-जी को लेकर दिए बयान पर कंगना ने कहा, 'जेन-जी भी इस देश का हिस्सा है। उनकी बहुमत की वजह से ही हमारी सरकार सत्ता में है। ऐसा नहीं है कि प्रदर्शन में गाली देने वाले ही सिर्फ जेन-जी हैं। आज झारखंड में बच्चे कितने अच्छे से प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारे युवा देश के लिए मेडल लेकर आ रहे हैं। मैं सिर्फ यही कहना चाहूंगी कि कुछ लोग ही जेन-जी का नाम खराब कर रहे हैं। जेन-जी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और हमें उन पर गर्व है।' उन्होंने कहा, 'जेन जी हमारे देश की ताकत और एक बहुत बड़ी धरोहर है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच 62 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत आने वाले 62 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजर चुके हैं। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को संसद को बताया कि खाड़ी क्षेत्र से अब तक 4,052 भारतीय नाविकों को वापस लाया गया है। मंत्री ने बताया कि 3 अगस्त तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले 62 जहाजों में 23 भारतीय ध्वज वाले और 39 विदेशी ध्वज वाले जहाज शामिल हैं। बदलती समुद्री सुरक्षा स्थिति को देखते हुए समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए) लगातार सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों को अद्यतन कर रहा है। लोकसभा में दिए गए लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि व्यापारिक जहाजों पर हमलों को देखते हुए नौवहन महानिदेशालय ने अंतरराष्ट्रीय पोत एवं बंदरगाह सुविधा सुरक्षा संहिता के तहत सुरक्षा उपायों को लागू करना अनिवार्य किया है। साथ ही खाड़ी क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों में भारतीय नाविकों की तैनाती से बचने की सलाह दी गई है।

काला सागर क्षेत्र में भारतीय नाविकों को ले जाने वाले भारतीय और विदेशी ध्वज वाले जहाजों के लिए भी सुरक्षा परामर्श जारी किया गया है। इसमें अत्यधिक सावधानी बरतने, यात्रा-विशिष्ट सुरक्षा आकलन करने और किसी भी घटना की तत्काल सूचना देने के निर्देश हैं। बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य, दक्षिणी लाल सागर और यमन से लगे समुद्री क्षेत्र में संचालित जहाजों के लिए भी सुरक्षा परामर्श जारी किया गया है। जहाज मालिकों और कप्तानों को समुद्री सुरक्षा स्थिति पर लगातार नजर रखने और अतिरिक्त जोखिम कम करने के उपाय अपनाने को कहा गया है।

'सरकार झुकती है, बस आवाज एक साथ उठनी चाहिए': राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रयागराज में शनिवार को होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले वीडियो संदेश जारी कर युवाओं और छात्रों के मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार तभी झुकती है, जब आवाज एकजुट होकर उठती है। राहुल गांधी ने सामाजिक माध्यम पर जारी संदेश में कहा कि वह प्रयागराज आ रहे हैं, जहां देशभर से बड़ी संख्या में युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को लगता है कि व्यवस्था में खामियां बढ़ गई हैं और उनकी मेहनत के अनुरूप उन्हें अवसर नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक, लंबित भर्तियां और वर्षों तक परिणाम या नियुक्ति का इंतजार युवाओं के सामने बड़ी चुनौती है। राहुल ने कहा कि छात्रों की आवाज अलग-अलग जगहों पर उठती रही है और अब उसे एकजुट करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने अपने संदेश में कहा कि कोटा और देहरादून में छात्रों ने अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाई, जबकि दिल्ली में भी छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई हुई। उन्होंने कहा कि छात्रों के सवालों का जवाब और व्यवस्था में जवाबदेही जरूरी है। उन्होंने कहा, 'यह सरकार झुकती है, बस आवाज एक साथ उठनी चाहिए।' राहुल ने छात्रों से प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने की अपील भी की।

बूथ ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत, युवाओं का भविष्य भाजपा के साथ सुरक्षितः अर्चना गुप्ता

झज्जर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने गुरुवार को झज्जर स्थित 'झज्जर कमलम' में मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों और शक्ति केंद्र प्रमुखों की संगठनात्मक बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ और समर्पित कार्यकर्ता है। प्रत्येक बूथ को संगठन की मजबूत इकाई बनाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन विस्तार के अभियान को घर-घर तक पहुंचाया जाए। डॉ. गुप्ता ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि पूरे वर्ष समाज सेवा, जनसंपर्क और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय रहता है। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर नियमित बैठकें आयोजित करने, परिवारों से संपर्क बढ़ाने और नए कार्यकर्ताओं, विशेषकर युवाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, हर घर जल, महिला सशक्तीकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। प्रदेश अध्यक्ष ने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के समानता, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने वाराणसी से लाई गई संत रविदास जी की पावन मिट्टी को गांव-गांव और घर-घर सम्मानपूर्वक पहुंचाने का आह्वान किया। युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा कि भाजपा युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए काम कर रही है। उन्होंने नई शिक्षा नीति, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और पारदर्शी भर्ती जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को संगठन और राष्ट्र निर्माण के अभियान से जोड़ने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने नशा मुक्त भारत बनाने का आह्वान किया

बांसवाड़ा (एजेंसी)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में आयोजित 'नशा मुक्त वागड़, स्वस्थ युवा, सशक्त जनजाति एवं विकसित भारत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने सभी से नशा मुक्त भारत बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं को कमजोर बनाने के लिए नशा बेचा जाता है इसलिए नशा करने वालों से समझाइश करें एवं जो लोग नशे का धंधा करते हैं उनकी सूचना पुलिस को दे। उन्होंने कहा कि नशा कर वाहन चलाने से कई युवाओं की मृत्यु हो जाती है और उसके बाद उनके परिवारों का जीवन परेशानी भरा हो जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार का टीबी मुक्त कार्यक्रम भी चल रहा है इसलिए अपने आस पड़ोस में ईलाज से वंचित कोई टीबी का मरीज हो तो उसके इलाज में मदद करें। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर है। यहां विद्यार्थी देवी-देवता और अध्यापक पुजारी है। गोविंद गुरु जनजाति विश्वविद्यालय जनजाति का विश्वविद्यालय है यहां अधिक से अधिक संख्या में जनजाति वर्ग के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक अच्छी शिक्षा प्राप्त नहीं करेंगे गरीबी दूर नहीं होगी। गरीबी दूर करने के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। शिक्षा प्राप्त कर यदि एक पीढ़ी के जीवन में बदलाव आता है तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य अपने आप सँवर जाता है।

संक्षिप्त खबरें

जनपद में तैनात सफाई कर्मियों की होगी लाइव लोकेशन से निगरानी

रूद्रपुर, देवरिया। ग्राम पंचायतों से लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों के दृष्टिगत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश जारी किया गया है कि प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से अपराह्न 2 बजे के बीच किसी भी समय ग्राम पंचायतों में तैनात सफाई कर्मियों के मोबाइल फोन के माध्यम से गूगल लाइव लोकेशन प्राप्त कर उनकी वास्तविक उपस्थिति का सत्यापन किया जायेगा । यदि कोई सफाई कर्मी बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के निर्धारित ग्राम पंचायत के स्थान पर अन्यत्र पाया जाता है अथवा कार्यस्थल से अनुपस्थित मिलता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी सहायक विकास विकास अधिकारी (पंचायत)को निर्देशित किया है कि वे रैंडम आधार पर प्रत्येक दिन कम से कम 10 ग्राम पंचायत के सफाई कर्मियों की लाइव लोकेशन प्राप्त कर उसका सत्यापन करें। निरीक्षण में अनुपस्थित अथवा निर्धारित कार्यस्थल पर न पाए जाने वाले कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति करते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी को तत्काल रिपोर्ट प्रेषित की जाए। सभी सफाई कर्मियों को निर्देशित किया जाता है कि वे निर्धारित समयावधि में अपने आवंटित ग्राम पंचायत में उपस्थित रहकर नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनधिकृत अनुपस्थिति अथवा निर्देशों की अवहेलना को गंभीरता से लिया जाएगा तथा संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अब प्वाइंट्समैन को न्यूनतम दो वर्ष की सेवा के बाद मिलेगी पदोन्नति

गोरखपुर। भारतीय रेलवे के प्वाइंट्समैन को पदोन्नति के लिए इंतजार नहीं करना होगा। अब उन्हें न्यूनतम दो वर्ष की सेवा के बाद पदोन्नति मिल सकेगी। दो साल कार्य करने के बाद 1800 से 1900 ग्रेड पे पर पदोन्नति पा सकेंगे। रेलवे बोर्ड ने प्वाइंट्समैन कैडर के बहुप्रतीक्षित पुनर्गठन को लागू कर दिया है। वित्त मंत्रालय की स्वीकृति के बाद जारी आदेशों के अनुसार, यह पुनर्गठन 03 अप्रैल 2026 से प्रभावी माना जाएगा। इससे पूर्वोत्तर रेलवे समेत देशभर के लगभग 66,388 प्वाइंट्समैन को लाभ मिलने की उम्मीद है। रेल मंत्रालय के आदेश के अनुसार, ऑपरेटिंग विभाग के प्वाइंट्समैन कैडर का नया ढांचा चार ग्रेडों में विभाजित किया गया है। संशोधित व्यवस्था में प्वाइंट्समैन ग्रेड-1 (लेवल-5) के लिए 4.54 प्रतिशत, ग्रेड-2 (लेवल-4) के लिए 13.63 प्रतिशत, ग्रेड-थ्री (लेवल-2) के लिए 27.27 प्रतिशत तथा ग्रेड-04 (लेवल-1) के लिए 54.55 प्रतिशत पद निर्धारित किए गए हैं। रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पुनर्गठन का लाभ केवल उन कर्मचारियों को मिलेगा जो 3 अप्रैल 2026 को प्वाइंट्समैन कैडर में कार्यरत थे। ऐसे कर्मचारियों को उच्च वेतन स्तर का लाभ उसी तिथि से देय होगा। यह व्यवस्था भारतीय रेलवे के ओपन लाइन प्रतिष्ठानों तथा प्रोडक्शन यूनिट्स में कार्यरत प्वाइंट्समैन कैडर के नियमित स्थायी पदों पर लागू होगी।

गली-गली खुले कथित अवैध नर्सिंग होम, जिम्मेदारों की निगरानी पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जनपद में कथित रूप से बिना मानकों के संचालित नर्सिंग होम और अस्पतालों को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का आरोप है कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े कई निजी अस्पताल नियमों की अनदेखी कर संचालित हो रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहा है। इसी क्रम में उन्नाव-रायबरेली हाईवे पर राघव रिसॉर्ट के निकट स्थित हेल्थ मेडिकल सेंटर को लेकर भी स्थानीय लोगों ने शिकायतें उठाई हैं। आरोप है कि यह संस्थान आवासीय भवन में अस्पताल के रूप में संचालित किया जा रहा है। वहीं कानपुर लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना अजगैन के पीछे बने बेसमेंट में सिंह हॉस्पिटल पर भी मानक के विरुद्ध बड़े आरोप लग रहे हैं। बताया जाता है कि हॉस्पिटल संचालक अपने आपको भाजपा नेता बताकर कार्यवाही से बचने में लगातार सफल हो रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य मार्ग पर स्थित होने के बावजूद संबंधित अधिकारियों की नजर इस ओर नहीं पड़ रही है। उनका सवाल है कि यदि अस्पताल निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित नहीं हो रहा है तो अब तक इसकी जांच और कार्रवाई क्यों नहीं की गई। ग्रामीणों और क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि जनपद में कई कथित अवैध नर्सिंग होम और अस्पताल बिना आवश्यक मानकों का पालन किए संचालित हो रहे हैं, जिससे मरीजों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से ऐसे संस्थानों का व्यापक सर्वे कर वैधता की जांच कराने और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है। यदि विभाग की ओर से कोई प्रतिक्रिया या जांच रिपोर्ट सामने आती है तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।यह संस्करण दैनिक जागरण की सीधी, तथ्यपरक और कानूनी रूप से सावधानी बरतने वाली शैली के अनुरूप तैयार किया गया है।

संसद में गूंजी पुरवा-मौरावां की आवाज, रेल लाइन की मांग से जगी विकास की नई उम्मीद

उन्नाव। वर्षों से रेल संपर्क की बाट जोह रहे पुरवा और मौरावां क्षेत्र के लोगों की उम्मीदों को उस समय नया बल मिला, जब राज्यसभा सांसद संजय सेठ ने राज्यसभा में इस बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया। सांसद ने रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए पुरवा और मौरावां को रेल नेटवर्क से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। सांसद ने सदन में कहा कि क्षेत्र की बड़ी आबादी आज भी रेल सुविधा से वंचित है। लोगों को आवागमन के लिए पूरी तरह सड़क मार्ग पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की अधिक खपत होती है। उन्होंने कहा कि यदि इस क्षेत्र को रेल मार्ग से जोड़ा जाता है तो यात्रियों को सस्ती, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा मिलेगी, साथ ही व्यापार, शिक्षा, रोजगार और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। राज्यसभा में यह मुद्दा उठने के बाद पुरवा और मौरावां क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि केंद्र सरकार इस परियोजना को मंजूरी देती है तो वर्षों पुरानी मांग पूरी होने के साथ क्षेत्र के विकास के नए द्वार खुलेंगे। फिलहाल अब क्षेत्रवासियों की निगाहें रेल मंत्रालय के अगले कदम पर टिकी हैं। लोगों को उम्मीद है कि लंबे समय से लंबित यह रेल परियोजना जल्द ही धरातल पर उतरकर पुरवा और मौरावां को देश के रेल मानचित्र से जोड़ने का सपना साकार करेगी।

गंगा का बढ़ता जलस्तर, परियर के गांवों पर बाढ़ का खतरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

परियर (उन्नाव)। लगातार हो रही वर्षा और नरौरा बांध से छोड़े गए पानी के कारण गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बढ़ते जलस्तर से परियर क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों के पास तक पानी पहुंच गया है, जिससे बाढ़ की आशंका गहरा गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी के साथ एडीएम सुशील कुमार गौर और सदर एसडीएम राजेश विश्वकर्मा भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर संबंधित विभागों को पूरी सतर्कता बरतने तथा राहत एवं बचाव कार्यों को हर समय तैयार रखने के निर्देश दिए।

प्रशासन ने संभावित बाढ़ से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां कर ली हैं। परियर में बाढ़ चौकी स्थापित कर दी गई है, जबकि जानकी कुंड आश्रम में राहत शिविर बनाया गया है। नावों की व्यवस्था, राहत सामग्री, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध करा दिए गए हैं। इसके अलावा गंगा के जलस्तर की 24 घंटे निगरानी के लिए तहसील स्तर पर कई टीमें गठित की गई हैं। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जा सकें। एडीएम सुशील कुमार गौर और सदर एसडीएम राजेश विश्वकर्मा ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे गंगा नदी के किनारे जाने से बचें, अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत बाढ़ चौकी या प्रशासन को दें। प्रशासन का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

कमरे में मिला 25 वर्षीय युवक का शव, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मियागंज (उन्नाव)। माखी थाना क्षेत्र के बेलसी गांव में शुक्रवार को एक 25 वर्षीय युवक का शव उसके कमरे में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया।

मृतक की पहचान दीपक कुमार (25) पुत्र गोकुल प्रसाद निवासी बेलसी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, जब काफी देर तक कमरे से कोई हलचल नहीं हुई तो अंदर जाकर देखा गया, जहां दीपक का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी पर माखी थाना प्रभारी निरीक्षक योगेश कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसआई मोहन लाल सहित पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। वहीं, फॉरेंसिक टीम ने कमरे और आसपास के क्षेत्र से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।

पुलिस का कहना है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर घटना के हर पहलू की जांच की जा रही है। घटना के बाद पूरे बेलसी गांव में शोक का माहौल है। मृतक के भाई सेवाराम, बहन और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

आम्रपाली एक्सप्रेस की छत पर चढ़े यात्री को लगा बिजली का झटका, हालत गंभीर

गोरखपुर। गोरखपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर गुरुवार को आम्रपाली एक्सप्रेस की छत पर चढ़ा एक यात्री ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन (ओएचई) की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने उसे तत्काल यात्री मित्र कार्यालय पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बीआरडी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। अंबाला से मुजफ्फरपुर जा रही 15708 आम्रपाली एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर दो पर खड़ी थी। इसी दौरान सीतामढ़ी (बिहार) के परसौनी निवासी युवक कोच संख्या एम-4 (इकोनामी कोच) की छत पर चढ़ गया। स्वजन लगातार उसे नीचे उतरने के लिए कहते रहे, लेकिन वह नहीं माना और छत पर नाचने लगा। इसी दौरान वह ओएचई की चपेट में आ गया और झुलसकर नीचे गिर पड़ा। उसके साथ यात्रा कर रहे स्वजन ने बताया कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उसका इलाज चल रहा है।

देवरिया में हत्या के मामले में मां-बाप और बेटे को आजीवन कारावास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। हत्या और जानलेवा हमले के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश जगन्नाथ की अदालत ने गुरुवार को तीन आरोपितों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने प्रभु दयाल गुप्ता, उनकी पत्नी मीना देवी और पुत्र सचिन गुप्ता पर प्रत्येक को 1.12 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 8 फरवरी 2021 की शाम करीब छह बजे खामपार बाजार के रहने वाले दिनेश गुप्ता अपने घर के बाहर बैठे थे। इसी दौरान उनके पट्टीदार प्रभु दयाल गुप्ता, मीना देवी और सचिन गुप्ता कुदाल व लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और दिनेश पर हमला कर दिया।

शोर सुनकर बचाने पहुंचे उनके भाई कुंज बिहारी गुप्ता पर भी आरोपितों ने प्राणघातक हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उपचार के दौरान दिनेश गुप्ता की मौत हो गई। घटना के बाद कुंज बिहारी गुप्ता की पत्नी इंद्रकला की तहरीर पर खामपार थाने में हत्या और जानलेवा हमले सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलों तथा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने तीनों आरोपितों को दोषी पाया। न्यायालय ने हत्या के अपराध में आजीवन कारावास, जानलेवा हमले के लिए 10 वर्ष का कठोर कारावास तथा मारपीट और अपमानित करने के अपराध में एक वर्ष का कठोर कारावास सुनाया। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। फैसला सुनाए जाने के बाद तीनों दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया गया।

देवरिया में स्कूल न जाकर पिज्जा की दुकान पर पहुंचे छात्र, खोजने के लिए दौड़ती रही पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लार। पिज्जा खाने के चक्कर में स्कूल के लिए घर से निकले दो छात्र विद्यालय नहीं पहुंचे तो उनके माता-पिता हैरान हो गए। बच्चों के अपहरण की आशंका में पुलिस को तत्काल सूचना दी गई, इसके बाद पुलिस ने सीसी कैमरों की फुटेज की मदद से दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर घरवालों के सिपुर्द कर दिया गया। कोहरी टोला वार्ड के रहने वाले अदनान पुत्र सज्जू लारी एवं अहमद पुत्र मलिक अंसारी, जो नगर के एक निजी विद्यालय में कक्षा पांच के छात्र हैं, गुरुवार सुबह रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे। काफी देर तक विद्यालय नहीं पहुंचने पर स्कूल प्रशासन ने पिता को सूचना दी। इसके बाद पिता ने बच्चों की तलाश शुरू की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। लार पुलिस ने विशेष खोज अभियान शुरू किया।

चौकी प्रभारी कमलेश यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नगर के प्रमुख स्थानों पर तलाश की और करीब सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही बिहार सीमा स्थित मेहरौना चौकी को भी सतर्क कर दिया गया। तलाश के दौरान सूचना मिलने के मात्र तीन घंटे के भीतर पुलिस ने चनुकी मोड़ के पास से दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में बच्चों ने बताया कि उनका स्कूल जाने का मन नहीं था। वे घूमने निकल गए थे और पिज्जा खाने की इच्छा के कारण विद्यालय नहीं पहुंचे थे। इसके बाद पुलिस ने दोनों बच्चों को सकुशल पिता को सुपुर्द कर दिया। बच्चों के सुरक्षित मिलने पर पिता ने राहत की सांस ली और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

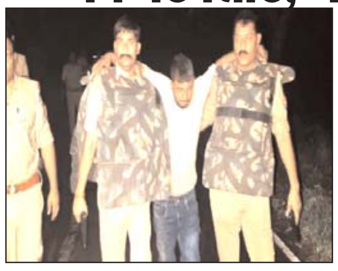

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भाटपाररानी/लार, (देवरिया)। गोवध के मुकदमे में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गुरुवार देर रात लार और भाटपाररानी पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी। घायल को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज देवरिया में भर्ती कराया गया है। उसके पास से तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा और स्प्लेंडर बाइक बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर भाटपाररानी पुलिस चनुकी मोड़ पर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बाइक से पहुंचे संदिग्ध युवक को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। वह पुलिस को चकमा देकर बाइक से भाग निकला। इसकी सूचना लार पुलिस को दी गई। इसके बाद लार पुलिस ने खरवनिया मोड़ के पास घेराबंदी कर दी। पुलिस टीम को सामने देखकर आरोपित ने बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन अनियंत्रित होकर बाइक समेत सड़क पर गिर गया। पुलिस के मुताबिक, इसके बाद उसने तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें उसके बाएं पैर में गोली लग गई। पुलिस टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

पूछताछ में आरोपित की पहचान अजहर अंसारी पुत्र अहमद अंसारी, निवासी मटियरा जगदीश, थाना लार के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, वह भाटपाररानी थाने में गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में वांछित था। गिरफ्तारी नहीं होने पर उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने लार थाने में आरोपित के खिलाफ पुलिस टीम पर फायरिंग के मामले में हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मौसम का मिजाज बदला, आज छिटपुट तो कल होगी तेज बारिश

गोरखपुर। सावन में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। दिन में धूप और उमस के बाद बुधवार देर रात हुई झमाझम वर्षा ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई। गुरुवार को भी कई स्थानों पर हल्की बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना बना रहा। मौसम विभाग ने आगले 24 घंटे के दौरान गरज-चमक के साथ बौछार पड़ने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में 41.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 100 प्रतिशत और न्यूनतम 79 प्रतिशत रिकार्ड की गई। मौसम विज्ञानी टीबी सिंह ने बताया कि शुक्रवार को हल्की बारिश होने के आसार है, जबकि शनिवार को जिले में कई स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। गरज-चमक के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने और आवश्यक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

पूर्वांचल का 'इण्डस्ट्रियल हब': 160 एकड़ में तैयार होगा प्लग एंड प्ले कॉरिडोर, चमकेंगे रोजगार के अवसर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धुरियापार के सेक्टर-6 में करीब 160 एकड़ भूमि इस परियोजना के लिए चिह्नित

इस कारिडोर में 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित होने की संभावना

गोरखपुर: धुरियापार में भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत 160 एकड़ क्षेत्र में अत्याधुनिक प्लग एंड प्ले औद्योगिक कारिडोर विकसित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए कंसलटेंट के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। योजना पूरी तरह केंद्र सरकार के वित्तीय सहयोग से विकसित होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मार्च 2026 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत औद्योगिक विकास योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के तहत देशभर में 100 नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जाना है। उत्तर प्रदेश में सात स्थानों पर ऐसे औद्योगिक कारिडोर प्रस्तावित हैं, जिनमें गोरखपुर का धुरियापार भी शामिल है। गीडा ने धुरियापार के सेक्टर-6 में करीब 160 एकड़ भूमि इस परियोजना के लिए चिह्नित की है। अब डीपीआर तैयार होने के बाद सड़क, बिजली, पानी, सीवरेज, ड्रेनेज और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास केंद्र सरकार के फंड से किया जाएगा। इसके बाद उद्योगों को विकसित भूखंड उपलब्ध कराए जाएंगे।

प्लास्टिक पार्क की तर्ज पर विकसित होगा प्लग एंड प्ले कारिडोर

अधिकारियों के अनुसार, यह कारिडोर प्लास्टिक पार्क की तर्ज पर विकसित होगा, जहां उद्यमियों को प्लग एंड प्ले सुविधा मिलेगी। यानी उद्योग लगाने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा पहले से तैयार रहेगा, जिससे निवेशकों को कम समय में उत्पादन शुरू करने में आसानी होगी। अनुमान है कि इस औद्योगिक कारिडोर में 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित होंगी। देश की बड़ी कंपनियों के निवेश की भी संभावना जताई जा रही है। परियोजना का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर केंद्र सरकार के फंड से विकसित होने के कारण उद्योगों के लिए भूमि अपेक्षाकृत कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा सकेगी, जिससे निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। धुरियापार में इस कारिडोर के विकसित होने से पूर्वांचल के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे और क्षेत्र में सहायक उद्योगों तथा व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्र सरकार की भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत धुरियापार में 160 एकड़ भूमि पर औद्योगिक कारिडोर विकसित किया जाएगा। योजना की डीपीआर तैयार करने के लिए कंसलटेंट के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परियोजना पूरी होने के बाद धुरियापार क्षेत्र के विकास में यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी। अच्छी कंपनियां यहां निवेश करेंगी और स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

पुलिस ने 13 दिन में चार्जशीट दाखिल की, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य बने आधार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। वैभव अपहरण-हत्याकांड में पुलिस ने घटना के 13 दिन के भीतर विवेचना पूरी कर कोर्ट में 35 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस ने कंप्यूटर शिक्षक और कोचिंग संचालक सर्वेश उर्फ बिट्टू शर्मा को मुख्य आरोपित बनाया है। इसके अलावा उसके पिता हरिनारायण शर्मा, भाई सत्येंद्र कुमार भट्ट उर्फ जिले एवं 25 हजार रुपये के इनामी सतीश, पत्नी अनामिका शर्मा और बबली शर्मा को आपराधिक साजिश में शामिल होने का आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने मामले की त्वरित सुनवाई और पीड़ित परिवार को देखते हुए चार्जशीट में महत्वपूर्ण साक्ष्यों और गवाहों को शामिल किया है। विवेचना के दौरान जुटाए गए इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक रिपोर्ट, बरामदगी और तकनीकी विश्लेषण को आरोपों का आधार बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई को चौथी कक्षा का छात्र वैभव स्कूल से घर लौटने के बाद साइकिल लेकर खेलने निकला था। देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर पिता हनुमान वर्मा समेत परिवार के अन्य सदस्य ने उसकी तलाश शुरू की। इस दौरान उसकी साइकिल और चप्पल मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। मुकदमा दर्ज कर पांच टीमों का गठन किया गया। जांच में सीसीटीवी फुटेज, डाग स्क्वाड और तकनीकी संसाधनों की मदद ली गई। इसके बाद आरोपित पड़ोसी सर्वेश को गिरफ्तार किया गया।

विवेचना में पुलिस के सामने आया कि आरोपित पड़ोसी और कोचिंग संचालक कर्ज में डूबा हुआ था। पुलिस का आरोप है कि उसने एक करोड़ रुपये की फिरौती वसूलने के उद्देश्य से वैभव के अपहरण की योजना बनाई थी। चार्जशीट के अनुसार, फिरौती मांगने के तरीके तलाशने के लिए इंटरनेट और एआई की मदद ली गई। पहचान छिपाने के लिए कंबोडिया का वर्चुअल मोबाइल नंबर खरीदा गया और रकम लेने के लिए बैंक खाता भी खुलवाया गया। इसके बाद सर्वेश ने वैभव को उपहार देने का लालच देकर अपने साथ ले लिया था। रास्ते में बच्चे के शोर मचाने पर उसने सीने पर लात रखकर उसका गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को बोरे में भरकर घर के बेसमेंट में छिपा दिया गया। बाद में पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शव बरामद किया।

रेलवे ट्रैक पर विवाहिता का शव मिलने से हड़कंप, पति को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी

पिपराइच, (गोरखपुर)। खझवां रेलवे ट्रैक पर गुरुवार देर शाम आठ बजे विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थिति में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद पुलिस ने महिला के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

शव की पहचान महमूदाबाद उर्फ मोगलपुरा निवासी संगीता प्रजापति के रूप में हुई है। गुरुवार को वह पति राज प्रजापति द्वारा आइजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायत के संबंध में पूछताछ के लिए थाने आई थी। शाम को उसका शव रेलवे ट्रैक पर मिला। पुलिस के अनुसार, पति-पत्नी के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। संगीता की शिकायत पर पति राज प्रजापति के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न और मारपीट के दो मुकदमे दर्ज हैं। पारिवारिक न्यायालय के आदेश पर 19 जून को पति उसे घर ले गया था, लेकिन करीब एक सप्ताह बाद वह हरपुर गुलहरिया स्थित मायके लौट गई थी।

पूछताछ करने पर राज प्रजापति ने बताया कि उनकी पत्नी संगीता 16 जुलाई से घर छोड़कर चली गई थी, जिसकी शिकायत उसने आइजीआरएस पोर्टल पर की थी। वहीं मायके वालों का आरोप है कि कुछ दिन पहले संगीता ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर पति से जान का खतरा होने की आशंका जताई थी। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चलेगा। पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की समीक्षा

आईटीएमएस व सेफ सिटी पुलिस को सौंपने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड के निदेशक मंडल की 27वीं बोर्ड बैठक शुक्रवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय में मंडलायुक्त एवं अध्यक्ष विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में स्मार्ट सिटी के तहत संचालित और पूरी हो चुकी विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। नगर आयुक्त एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव कुमार ने परियोजनाओं की स्थिति से संबंधित प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष रखे। बैठक में बताया गया कि अलीगंज सेक्टर-बी में स्मार्ट सिटी के तहत निर्मित शहरी सुविधा एवं वरिष्ठ नागरिक देखभाल केंद्र का भवन नगर निगम को हस्तांतरित कर दिया गया है। भवन के प्रथम और द्वितीय तल पर नगर निगम का जोन-3 कार्यालय संचालित हो रहा है। भूतल पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधाएं विकसित की गई हैं। यहां

बहुउद्देशीय हॉल में कैरम, शतरंज सहित विभिन्न इनडोर खेल और मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध हैं। बैठक में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) परियोजना की भी समीक्षा की गई। परियोजना से जुड़ी संस्था को दिए गए तीन माह के समय विस्तार का बोर्ड ने संज्ञान लिया। साथ ही आईटीएमएस और सेफ सिटी परियोजना को जल्द पुलिस विभाग को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए। हेल्थ एटीएम परियोजना के संचालन को दिसंबर 2026 तक समय विस्तार दिया गया है। अधिकारियों को इन केंद्रों पर उपलब्ध स्वास्थ्य जांच सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। हेल्थ एटीएम के माध्यम से शुगर, गर्भावस्था जांच, हीमोग्लोबिन, ईसीजी, डेंगू, मलेरिया और यूरिन जांच सहित कई सुविधाएं कम कीमत पर उपलब्ध हैं। वहीं रक्तचाप, बीएमआई, ईएनटी, त्वचा, पल्स ऑक्सीमीटर और शरीर के तापमान की जांच जैसी कई सुविधाएं निःशुल्क दी जा रही हैं। बैठक में प्रशासनिक बदलावों को भी मंजूरी दी गई। नगर निगम के मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी महामिलिंद लाल को लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मुख्य वित्त अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार देने का अनुमोदन किया गया। वहीं अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव को अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बैठक में लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राइस मिलर्स एसोसिएशन की 39वीं वार्षिक आम सभा संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा और धान खरीद व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं सुचारु बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने राइस मिलर्स को सरकार का महत्वपूर्ण सहयोगी बताते हुए एसोसिएशन की ओर से दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। सभा में राइस मिलर्स एसोसिएशन ने धान खरीद व्यवस्था को अधिक प्रभावी और किसान हितैषी बनाने के लिए सरकार के समक्ष कई सुझाव रखे।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन की 39वीं वार्षिक आम सभा गुरुवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री मनोज पाण्डेय मौजूद रहे। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा और धान खरीद व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं सुचारु बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने राइस मिलर्स को सरकार का महत्वपूर्ण सहयोगी बताते हुए एसोसिएशन की ओर से दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। सभा में राइस मिलर्स एसोसिएशन ने धान खरीद व्यवस्था को अधिक प्रभावी और किसान हितैषी बनाने के लिए सरकार के समक्ष कई सुझाव रखे। एसोसिएशन ने वर्तमान 30 रुपये प्रति क्विंटल होल्डिंग शुल्क को बढ़ाकर न्यूनतम 75 रुपये किए जाने की मांग की। इसके साथ ही धान खरीद की अवधि 1 नवंबर से 31 मार्च तक निर्धारित करने तथा केंद्रीयकृत चावल (सीएमआर) के पूर्ण निस्तारण की समय-सीमा 30 जून तक निर्धारित करने का सुझाव दिया गया। एसोसिएशन ने प्रदेश के ठेका एवं बटाईदार किसानों को भी सरकारी धान खरीद व्यवस्था में शामिल करने की मांग की, ताकि उन्हें भी अपनी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिल सके। राइस मिलर्स ने यह भी सुझाव दिया कि भविष्य में धान खरीद नीति तैयार करते समय एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। इससे उद्योग से जुड़े व्यावहारिक अनुभवों के आधार पर नीति को अधिक प्रभावी और लागू करने योग्य बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम में एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विनय शुक्ल, प्रदेश महामंत्री हरि किशोर गुप्ता, प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रमोद सिंह समेत प्रदेशभर से आए बड़ी संख्या में राइस मिलर्स, उद्योग प्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में 11 से 13 अगस्त तक होगा इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो-2026

इंडिया एसपो मार्ट में तैयारियों की समीक्षा, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष फोकस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाले इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो-2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। 11 से 13 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी को लेकर यूपीनेडा के निदेशक रविंद्र सिंह ने स्थानीय अधिकारियों और संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और वीवीआईपी प्रबंधन समेत सभी तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आयोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी की जाएं और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित

हो सके। बैठक में बताया गया कि इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी (आईएफजीई) और एमएम एक्टिव साई-टेक कम्युनिकेशंस की ओर से यूपीनेडा के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश के उद्योग विशेषज्ञ, निवेशक, नीति निर्माता और प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम में ग्रीन हाइड्रोजन, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी), एथेनॉल, बायोडीजल, वेस्ट-टू-एनर्जी, बायोमास और कार्बन मार्केट सहित स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों पर चर्चा होगी। बैठक में यूपीनेडा के निदेशक रविंद्र सिंह, आईएफजीई के महानिदेशक संजय गंजू, अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर सात अधिकारियों को मिली सराहना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक उद्यमियों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सात अधिकारियों की अपर मुख्य सचिव उद्यान, रेशम एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बी.एल. मीणा (आईएएस) ने सराहना की है। उन्होंने उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तीन जिलाधिकारियों और चार मुख्य विकास अधिकारियों को प्रशंसा-पत्र भेजे हैं। अपर मुख्य सचिव ने अपने पत्र में कहा कि इन अधिकारियों ने अपने-अपने जनपदों में खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए सक्रिय प्रयास किए। उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में उद्यमियों को योजनाओं की जानकारी मिली और उन्हें अनुदान, प्रशिक्षण तथा अन्य सुविधाओं का

लाभ उपलब्ध कराया जा सका। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 का उद्देश्य प्रदेश में छोटे और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित करना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना और युवाओं व उद्यमियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। वहीं पीएमएफएमई योजना के माध्यम से सूक्ष्म खाद्य उद्योगों को आर्थिक सहायता और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। उत्कृष्ट कार्य के लिए जिन अधिकारियों की सराहना की गई है, उनमें हापुड़ की जिलाधिकारी कविता मीणा, मिर्जापुर के जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार और अंबेडकर नगर की जिलाधिकारी ईशा प्रिया शामिल हैं। इसके अलावा बाराबंकी के मुख्य विकास अधिकारी ए. सुधान, सीतापुर की मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जोशी, हरदोई की मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल और कानपुर नगर के मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन को भी प्रशंसा-पत्र भेजा गया है। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि इन अधिकारियों ने योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ पात्र उद्यमियों की पहचान कर उन्हें सरकारी सहायता से जोड़ने का कार्य किया। उनके प्रयासों से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश और उद्यमिता को बढ़ावा मिला है। बी.एल. मीणा ने कहा कि प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने में जिला प्रशासन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों द्वारा किए गए कार्य अन्य जनपदों के लिए भी प्रेरणादायक और अनुकरणीय हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी अधिकारी इसी तरह सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित कराने में सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सफलता के लिए प्रशासन और विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है, जिसमें इन अधिकारियों ने सराहनीय योगदान दिया है।

बीडीओ का सरकारी व्हाट्सएप हैक, परिचितों से 48 हजार रुपये मांगने का प्रयास

मोहनलालगंज, संवाददाता। मोहनलालगंज खण्ड विकास अधिकारी (बीडीओ) शिव कुमार का सरकारी मोबाइल नंबर साइबर अपराधियों ने हैक कर उसके व्हाट्सएप अकाउंट का दुरुपयोग किया। हैकरों ने उनके परिचितों और विभागीय कर्मचारियों को संदेश भेजकर 48 हजार रुपये ऑनलाइन भेजने की मांग की। मामले की जानकारी मिलते ही बीडीओ ने मोहनलालगंज पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, साइबर ठगों ने बीडीओ के सरकारी व्हाट्सएप अकाउंट से उनके परिचितों और विभागीय कर्मचारियों को संदेश भेजे। संदेश में सचिव किशनपाल सिंह के नाम का हवाला देते हुए तत्काल 48 हजार रुपये की जरूरत बताई गई और ऑनलाइन धनराशि भेजने का अनुरोध किया गया। सरकारी अधिकारी के नंबर से संदेश आने के कारण कुछ लोगों को यह वास्तविक लगा, लेकिन समय रहते इसकी जानकारी बीडीओ शिव कुमार को मिल गई। सूचना मिलते ही बीडीओ ने अपने परिचितों और कर्मचारियों को आगाह करते हुए किसी भी प्रकार का ऑनलाइन भुगतान न करने की सलाह दी। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की जानकारी मोहनलालगंज पुलिस को देकर साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बीडीओ शिव कुमार ने लोगों से अपील की कि यदि उनके सरकारी मोबाइल नंबर या व्हाट्सएप से रुपये मांगने अथवा कोई संदिग्ध संदेश प्राप्त हो तो उस पर विश्वास न करें। किसी भी खाते में धनराशि भेजने से पहले संबंधित व्यक्ति से सीधे संपर्क कर पुष्टि अवश्य कर लें।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही हरकत में आई पुलिस

क्राइम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के गौरा स्थित धनक सिंह ढाबा के पास किराये के मकान के बाहर खड़ी एक युवक की बाइक चोरी हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने और लोगों द्वारा पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए जाने के बाद पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगराम थाना क्षेत्र के समेसी निवासी लवकुश पुत्र इन्दपाल वर्तमान में गौरा स्थित धनक सिंह ढाबा के पास किराये के मकान में रहकर काम करता है। उसने बताया कि बुधवार रात अपनी होंडा शाइन बाइक (यूपी-32 पीएम-5631) मकान के बाहर खड़ी की थी। देर रात करीब 2:48 बजे दो अज्ञात युवक पहुंचे और कुछ ही मिनटों में बाइक का लॉक तोड़कर फरार हो गए। गुरुवार सुबह जब लवकुश बाहर निकला तो बाइक गायब मिली। आसपास काफी तलाश के बावजूद कोई सुराग नहीं लगा, जिसके बाद उसने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। घटना की पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की। मामला तूल पकड़ने पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर बाइक बरामद की जाएगी।

तकनीकी नवाचार का हब बनेगा उत्तर प्रदेश: आशीष पटेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और भविष्य की प्रौद्योगिकियों का केंद्र बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में गुरुवार को विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल की उपस्थिति में इलेक्ट्रिक वाहन, स्पेस टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कौशल विकास को लेकर महत्वपूर्ण प्रस्तुतीकरण दिए गए। बैठक में आईआईटी मंडी और आईआईटी इंदौर के विशेषज्ञों ने अत्याधुनिक तकनीकों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल तकनीक, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, एआई आधारित स्किल डेवलपमेंट, शिक्षकों के क्षमता विकास और युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तकनीकी रूप से दक्ष बनाने से जुड़े नवाचारों पर चर्चा की गई। इस दौरान डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में अत्याधुनिक तकनीकों पर आधारित विशेष हब स्थापित करने का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया।

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नई तकनीकों का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ना है। प्रस्तुतीकरण का अवलोकन करते हुए प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार तकनीकी शिक्षा को आधुनिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन, स्पेस टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं को दक्ष बनाना समय की मांग है। ऐसे नवाचार प्रदेश की तकनीकी शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने का काम करेंगे। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तकनीकी संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक और भविष्य आधारित शिक्षा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देकर उत्तर प्रदेश को तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाया जा सकता है। बैठक में प्रस्तुत सुझावों और प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि नए तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण, शोध और विकास को संस्थागत स्तर पर बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे प्रदेश के युवा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें। इस अवसर पर प्रमुख सचिव डॉ. एम.के.एस. सुंदरम, सचिव एवं महानिदेशक प्राविधिक शिक्षा सेल्वा कुमारी जे. सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

सिटी बसों की आय बढ़ाने पर जोर, रूटों का होगा नए सिरे से अध्ययन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एलसीटीएसएल) की 51वीं बोर्ड बैठक शुक्रवार को मंडलायुक्त एवं कंपनी के अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर में संचालित सिटी बस सेवाओं की स्थिति, आय, बजट और संचालन व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की गई। निदेशक मंडल ने यात्रियों की सुविधा और बस सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए संचालित मार्गों का अध्ययन करने तथा आय बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में मार्च 2026 से जुलाई 2026 तक सिटी बसों के संचालन से जुड़े आंकड़ों की

समीक्षा की गई। अधिकारियों ने विभिन्न मार्गों पर चल रही बस सेवाओं, यात्रियों की संख्या, संचालन से प्राप्त आय और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की। निदेशक मंडल ने कहा कि यात्रियों की जरूरतों के अनुसार बसों के रूट और संचालन व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जाएं, जिससे अधिक से अधिक लोग सार्वजनिक परिवहन का लाभ उठा सकें। बैठक में सिटी बसों की आय में वृद्धि को लेकर विशेष चर्चा हुई। निदेशक मंडल ने निर्देश दिए कि वर्तमान में संचालित सभी मार्गों का विस्तृत अध्ययन किया जाए। जिन मार्गों पर यात्रियों की संख्या और आय कम है, वहां संचालन व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक बदलाव किए जाएं। साथ ही ऐसे नए मार्गों की संभावनाएं भी तलाशी जाएं, जहां यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बस सेवाओं की नियमित निगरानी की जाए और यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए संचालन में सुधार किया जाए। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि सिटी बस सेवा को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए आय के नए स्रोतों पर भी विचार किया जाए। बैठक में मार्च से जुलाई 2026 तक के बजट और उसके सापेक्ष प्राप्त परिणामों की भी समीक्षा की गई। निदेशक मंडल ने वित्तीय स्थिति का आकलन करते हुए बजट के अनुसार प्राप्त उपलब्धियों को संतोषजनक बताया। साथ ही भविष्य में वित्तीय अनुशासन बनाए रखने और संचालन व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए गए। बोर्ड बैठक में पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों और दिए गए निर्देशों पर हुई कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व में लिए गए निर्णयों के अनुपालन में आवश्यक कार्रवाई पूरी कर ली गई है।

मंत्री सुरेश खन्ना ने विधायक उमाशंकर सिंह के निधन पर जताया शोक

लखनऊ। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बलिया के रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक उमाशंकर सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निधन अत्यंत दुखद है। खन्ना ने अपने शोक संदेश में कहा कि उमाशंकर सिंह मिलनसार, व्यवहारकुशल और अपने दम पर पहचान बनाने वाले व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने कम उम्र में ही राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। मंत्री ने दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सुरेश कुमार खन्ना पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के सरकारी आवास पहुंचे।

अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित पॉलीथीन के खिलाफ नगर निगम का बड़ा अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने शहर में अतिक्रमण, यातायात अवरोध, गंदगी और प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों में सघन अभियान चलाया। नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार के आदेश पर नगर निगम की टीमों ने जोन-3, जोन-7 सहित अन्य क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया और गंदगी व प्रतिबंधित पॉलीथीन का प्रयोग करने वालों पर कुल 1,11,500 का जुर्माना लगाया। अभियान के दौरान 10.5 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथीन भी जब्त की गई। जोन-3 में जोनल अधिकारी अजीत राय के निर्देशन में बादशाह नगर स्टेशन से अकबर नगर कॉलोनी तक अवैध अतिक्रमण और गंदगी के खिलाफ अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान सड़क व सार्वजनिक स्थानों पर खड़ी करीब 20 से 25 गाड़ियों को हटवाया गया। इसके साथ ही प्रतिबंधित पॉलीथीन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ?15,000 का जुर्माना वसूला गया। नगर निगम ने हटाए गए अतिक्रमण वाले स्थानों पर दोबारा अवैध कब्जा न होने देने के लिए भी कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्र में पुनः अवैध अस्थायी कब्जा एवं अतिक्रमण रोकने के लिए क्षेत्रीय पुलिस विभाग को पत्र भेजा गया है। नगर निगम की ओर से स्पष्ट किया गया कि अतिक्रमण हटाए जाने के बाद दोबारा कब्जा करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

रिश्तों के जख्म

अक्सर भारतीय समाज में उदाहरण दिया जाता रहा है कि बेटे भले ही बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धर्ताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे। यह हमारे समय की त्रासदी है कि तमाम सुख-सुविधाओं में पले बच्चे मुश्किल वक्त में जीवन देने वाले मां-बाप को त्रासदपूर्ण स्थितियों में अकेला छोड़ देते हैं। वहीं यह हमारे समाजविज्ञानियों के लिये गहन आत्ममंथन का विषय है कि क्यों नई पीढ़ी हमारे सनातन जीवन मूल्यों से विमुख होती जा रही है। एक समय था कि पूरी दुनिया में भारत के संयुक्त परिवारों की मिसाल दी जाती थी। पुरानी पीढ़ी भले ही अभावों में पली हो, पिता चाहे व्यवहार में कितने भी सख्त रहे हों, लेकिन बच्चों ने बुढ़ापे की लाठी बनकर अपने तमाम दायित्वों को ईमानदारी से निभाया। दरअसल, संयुक्त परिवार हमें कष्ट सहने, सामंजस्य बनाने और दूसरों के सुख-दुख में शामिल होने का संदेश भी देता था। जीवन के हर क्षेत्र में एक अनुशासन की जरूरत होती है। परिवार में भी यदि मुखिया का अनुशासन कायम न रहे तो बच्चे स्वच्छंद व्यवहार करने लगते हैं। वे आत्मकेंद्रित हो जाते हैं। लेकिन आज हमारे समाज में पश्चिमी संस्कृति ने इतनी गहराई से जड़ें जमा ली हैं कि परिवार संस्था को लेकर हम संवेदनहीन होते चले गये। हम सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति को नजरअंदाज करके आगे बढ़ जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि सोनीपत की घटना पूरे समाज का सत्य है। यह महज एक घटना है। लेकिन मौजूदा समय के सत्य से अवगत कराती है कि समाज किस दिशा में जा रहा है। ऐसा नहीं है कि जिन बेटियों ने तमाम संसाधन व घर परिवार के होते हुए भी मां-बाप को वृद्धाश्रम जाने को बाध्य किया, वे अपने जीवन में ऐसी परिस्थितियों से दो-चार नहीं हो सकती। यह घटना सोशल मीडिया में इतनी वायरल हुई कि बेटियां शर्मसार जरूर हुई हैं। एक बेटी को तो समाज में मिट्टी पलीद होने से इतना झटका लगा कि दावा किया जा रहा है कि उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। निश्चित रूप से भारतीय जीवन-दर्शन कर्मफल के सिद्धांत का अनुसरण करता रहा है। अपने कृत्यों का फल हमें अवश्य भोगना पड़ता है। जो हम कर रहे हैं,आने वाली पीढ़ियां हमें वही लौटाएंगी। बहरहाल समाज में संवेदनाओं का क्षरण एक गंभीर चुनौती है। अभिभावकों, शिक्षकों और समाजविज्ञानियों को मंथन करना होगा कि हमारे शाश्वत जीवन मूल्य कैसे बचाए जाएं। आज वृद्धाश्रमों को लाचारी नहीं जीवंतता का प्रतीक बनाने की जरूरत है। जहां व्यक्ति अपनी जमापूंजी से अपने बुढ़ापे और अंतिम यात्रा की व्यवस्था को सुनियोजित ढंग से अंतिम रूप दे सके।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है ।लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है। लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो 'संवाद से समाधान' का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा। सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना। देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मर्यादा का सर्वोच्च आदर्श।

माइग्रेन का दर्द बढ़ा सकती हैं 5 गलतियां, आदतों में बदलाव से मिलेगी राहत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सिरदर्द एक आम समस्या बन गई है, लेकिन हर सिरदर्द सामान्य नहीं होता। कुछ लोगों को बार-बार होने वाला तेज दर्द, रोशनी और आवाज से परेशानी, जी मिचलाना या कमजोरी जैसी समस्याएं महसूस होती हैं, जिसे माइग्रेन कहा जाता है। यह सिर्फ सिर में दर्द की स्थिति नहीं है, बल्कि यह शरीर के तंत्रिका तंत्र से जुड़ी एक जटिल समस्या है। विशेषज्ञों के अनुसार, माइग्रेन का दर्द कई बार हमारी रोजमर्रा की आदतों से भी प्रभावित होता है। गलत खान-पान, नींद की कमी, तनाव, शरीर में पानी की कमी और जीवनशैली की कुछ गलत आदतें इसके लक्षणों को बढ़ा सकती हैं। यही वजह है कि माइग्रेन से पीड़ित लोगों को अपनी दिनचर्या में कुछ सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं ऐसी कौन-सी गलतियां हैं, जो माइग्रेन के दौरान परेशानी को और बढ़ा सकती हैं। शरीर में पानी की कमी - माइग्रेन के समय शरीर में पानी की कमी होना दर्द को बढ़ाने वाले कारणों में शामिल हो सकता है। जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता, तो शरीर के सामान्य कामकाज पर असर पड़ सकता है और थकान, चक्कर या सिर में भारीपन जैसी समस्याएं महसूस हो सकती हैं। पानी शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने और कोशिकाओं को सही तरीके से काम करने में मदद करता है। इसलिए दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहना जरूरी है। पानी के अलावा नारियल पानी, सूप या पानी से भरपूर फल भी शरीर में तरल पदार्थों की कमी पूरी करने में मदद करते हैं। नींद के साथ लापरवाही करना- माइग्रेन और नींद का संबंध काफी गहरा माना जाता है। कम सोना या रोज अलग-अलग समय पर सोना शरीर की प्राकृतिक घड़ी को प्रभावित कर सकता है, जिससे कुछ लोगों में माइग्रेन का खतरा बढ़ सकता है। पर्याप्त नींद लेने से शरीर और दिमाग को आराम मिलता है। कोशिश करें कि रोजाना एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत बनाएं। आमतौर पर वयस्कों के लिए 7 से 9 घंटे की नींद फायदेमंद मानी जाती है। ज्यादा मात्रा में चाय, कॉफी या शराब लेना- कई लोग सिरदर्द के दौरान चाय या कॉफी का सहारा लेते हैं, लेकिन कैफीन का ज्यादा सेवन कुछ लोगों में माइग्रेन को बढ़ा सकता है। वहीं शराब भी कई लोगों के लिए माइग्रेन का ट्रिगर बन सकती है। इन चीजों का ज्यादा सेवन शरीर में पानी की कमी, नींद में गड़बड़ी और तंत्रिका तंत्र पर असर डाल सकता है।

राजेंद्र माथुर- विचारों की पत्रकारिता के नायक

राजेंद्र माथुर की पूरी जीवन यात्रा एक साधारण आम आदमी की कथा है। वे इतने साधारण हैं कि असाधारण लगने लगते हैं। उन्होंने जो कुछ पाया, एकाएक नहीं पाया; संघर्ष से पाया, नियमित लेखन से पाया और अपनी रचनाशीलता से पाया। इसी संघर्ष की वृत्ति ने उन्हें असाधारण पत्रकार और संपादक बना दिया। राजेंद्र माथुर का पत्रकारीय व्यक्तित्व इस बात से तय होता है कि आखिर उनके लेखन में विचारों की गहराई कितनी है। अपने अखबार को ऊंचाइयों पर ले जाने का उनका संकल्प कितना गहरा है और हमारे समय के प्रश्नों के जवाब तलाशने तथा नए सवाल खड़े करने की कितनी प्रश्नाकुलता संबंधित व्यक्ति में है। राजेंद्र माथुर का संपादकीय और पत्रकारीय व्यक्तित्व इस बात की गवाही देता है कि वे असहज प्रश्नों से मुंह नहीं चुराते, बल्कि उनसे दो-दो हाथ करते हैं। वे सवालों से जूझते हैं और उनके सही एवं प्रासंगिक उत्तर तलाशने की कोशिश करते हैं।वे सही मायने में पत्रकारिता में विचारों के एक ऐसे प्रतीक पुरुष बनकर सामने आए, जिन्होंने अपने लेखन के माध्यम से एक बौद्धिक उत्तेजना का सृजन किया और हिंदी को एक ऐसी भाषा तथा विराट अनुभव-संसार दिया, जिसकी प्रतीक्षा में वह सालो से खड़ी थी। इस मायने में राजेंद्र माथुर की उपस्थिति अपने समय में एक कद्दावर पत्रकार-संपादक की मौजूदगी है। वरिष्ठ पत्रकार श्री सूर्यकांत बाली के मुताबिक, 'माथुर साहब जैसा बोलते थे, वैसा ही लिखते थे। वे धाराप्रवाह, विचार-परिपूर्ण और रूपक-अलंकृत बोलते थे, तो धाराप्रवाह, विचार-परिपूर्ण और रूपक-अलंकृत लिखते भी थे।' ऐसे में कहा जा सकता है कि राजेंद्र माथुर के पत्रकारीय एवं संपादकीय व्यक्तित्व में एक बौद्धिक आकर्षण दिखता है। उनके लेखन में भारत-जिज्ञासा, भारत-अनुराग और भारत-स्वप्न पूरी समग्रता में प्रकट होते हैं। वरिष्ठ पत्रकार अच्युतानंद मिश्र ने लिखा है कि 'राजेंद्र माथुर में बौद्धिकता और सच्चरित्रता का असाधारण संगम था, इसीलिए वे हिंदी पत्रकारिता में शिखर स्थान पा सके। वे असाधारण शैलीकार थे। अंग्रेजी साहित्य के प्राध्यापक होने के बावजूद उनकी हिंदी लेखन शैली बिंब-प्रधान थी। उनके मुहावरे अपने होते थे। उनमें अभिव्यंजना की अद्भुत शक्ति थी। हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में वे एक शैलीकार के रूप में याद किए जाएंगे।'राजेंद्र माथुर एक श्रेष्ठ संपादक थे। उनकी उपस्थिति ही 'नईदुनिया' और 'नवभारत टाइम्स' को एक ऐसा समाचार पत्र बनाने में सफल हुई, जिस पर हिंदी पत्रकारिता को नाज है। 'नवभारत टाइम्स' में श्री माथुर के सहयोगी रहे श्री विष्णु खरे ने लिखा है कि, 'राजेंद्र माथुर महान संपादक होने का अभिनय करने की कोई जरूरत महसूस नहीं करते थे। दरअसल, लिबास से लेकर बोलचाल तक उनकी कोई बनावटी शैली या लहजा नहीं था; वे अपने मामूलीकरण में विश्वास करते थे, वैशिष्ट्य में नहीं। उनकी संपादकीय आदेशों या हुक्मों से नहीं, एक गुणात्मक तथा नैतिक विकिरण से चलती' राजेंद्र माथुर का पत्रकारीय व्यक्तित्व बेहद प्रेरक था। आज की पत्रकारिता और मीडिया संस्थानों में घुस आई तमाम बुराइयों से उनका व्यक्तित्व एकदम अलग था। संपादक की जैसी शास्त्रीय परिभाषाएं बताई गई हैं, श्री माथुर उन पर पूरी तरह फिट बैठते हैं। उनके समकक्ष पत्रकारों की राय में, जिस समय वे दिल्ली में 'नवभारत टाइम्स' जैसे बड़े अखबार के संपादक थे, वे सत्ता के लाभ उठा सकते थे। आज की पत्रकारिता में जिस तरह पत्रकार एवं संपादक सत्ता से लाभ लेकर मंत्री से लेकर राज्यसभा की सीटें ले रहे हैं, श्री माथुर भी ऐसे प्रलोभनों के पास जा सकते थे। किंतु उन्होंने तमाम चर्चाओं के बीच इससे खुद को बचाया। पत्रकार विष्णु खरे अपने लेख में इस बात की पुष्टि भी करते हैं। सही मायने में राजेंद्र माथुर एक ऐसे संपादक के रूप में सामने आते हैं, जिन्होंने अपने पत्रकारीय व्यक्तित्व को वह ऊंचाई दी जिसके लिए पीढ़ियां उन्हें याद कर रही हैं। उनके पत्रकारीय व्यक्तित्व की सबसे बड़ी खूबी हिंदी पत्रकारिता को लेकर उनकी चिंताएं हैं। वे हिंदी पत्रकारिता के एक ऐसे संपादक थे, जो लगातार यह सोचते रहे कि हिंदी पत्रकारिता का विचार-दारिद्य कैसे दूर किया जाए और कैसे हिंदी में एक संपूर्ण अखबार निकले तथा उसे व्यापक लोकस्वीकृति भी मिल सके। 'नवभारत टाइम्स' के कार्यकारी संपादक रहे स्व. सुरेंद्र प्रताप सिंह ने उनकी इन चिंताओं को निकटता से देखा था। वे लिखते हैं, 'माथुर साहब का गहन इतिहास-बोध, शुद्ध श्रद्धा और उससे उत्पन्न गरिमामय अतीत की मरीचिका पर आधारित हिंदी पत्रकारिता की कमजोर आधारभूमि के बारे में उन्हें बार-बार सचेत करता रहता था। वे भूतकाल के वायवीय स्वर्णिम अतीत में जीने वाले नहीं थे। वे स्वप्नदर्शी थे और अपने सपनों की उदात्तता के साथ उन्होंने कभी किसी प्रकार का समझौता नहीं किया। हिंदी पत्रकारिता का वर्तमान परिदृश्य उन्हें बार-बार विचलित तो कर देता था, लेकिन एक कुशल अभियात्री की तरह उन्होंने अपने जहाज की दिशा को क्षणिक प्रलोभनों के लिए किसी अन्य रास्ते पर डालने के बारे में क्षणिक विचार भी नहीं किया।' उनके पत्रकारीय व्यक्तित्व की विशिष्टता यह भी है कि वे अंग्रेजी के प्राध्यापक और विद्वान होने के बावजूद अपने लेखन की भाषा के नाते हिंदी को चुनते हैं। हिंदी उनकी सांसों में बसती थी। हिंदी पत्रकारिता को नई जमीन तोड़ने के लिए प्रेरित करने और हिंदी लेखकों एवं पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी का निर्माण करने का काम श्री माथुर जीवन भर करते रहे। इंदौर से लेकर दिल्ली तक उनकी पूरी यात्रा में एक भारत-प्रेम, भारत-बोध और हिंदी-प्रेम साफ नजर आता है।

मेष-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन उपलब्धियों से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में अतिरिक्त लाभ के संकेत हैं।

वृषभ-वृषभ राशि वालों के लिए आज परिवार के साथ सामंजस्य बनाए रखना महत्वपूर्ण रहेगा। किसी पुराने मतभेद को बातचीत से सुलझाने का अवसर मिल सकता है।

मिथुन-मिथुन राशि के जातकों के लिए आज नए अवसरों का दिन है। व्यापार और नौकरी में लाभदायक योजनाओं से जुड़ने का अवसर मिल सकता है। किसी नए व्यक्ति पर भरोसा करने से पहले पूरी जानकारी अवश्य लें।

कर्क-कर्क राशि वालों के लिए संपत्ति और निवेश से जुड़े मामलों में सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। यदि किसी नई योजना पर विचार कर रहे हैं तो सोच-समझकर निर्णय लें।

सिंह-सिंह राशि के जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सम्मान और अधिकार मिल सकते हैं। लंबे समय से रुका हुआ कोई कार्य पूरा होने की संभावना है।

कन्या-कन्या राशि वालों को आज परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की आवश्यकता होगी। कार्यस्थल पर विरोधियों की गतिविधियों पर नजर रखें, लेकिन विवाद से बचें।

तुला-तुला राशि के लिए आज का दिन रचनात्मक कार्यों में सफलता दिलाने वाला हो सकता है। कला, साहित्य, शिक्षा और सृजनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को सम्मान मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि वालों को आज संपत्ति और वित्तीय मामलों में विशेष सतर्कता बरतनी होगी। किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले अच्छी तरह जांच कर लें।

धनु-धनु राशि के जातकों के लिए आज मेहनत का उचित परिणाम मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की सराहना होगी। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बातचीत में विनम्रता बनाए रखें।

मकर-मकर राशि वालों के लिए आज का दिन परिश्रम और उपलब्धियों का संतुलन लेकर आएगा। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और नए लोगों से संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित हो सकते हैं।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज ज्ञान और अनुभव का लाभ मिलेगा। आपकी सलाह से दूसरे लोग प्रभावित हो सकते हैं। शिक्षा, प्रबंधन और प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

मीन-मीन राशि वालों को आज किसी भी नए कार्य की शुरुआत पूरी तैयारी के साथ करनी चाहिए। जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। पुराने निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। लंबी दूरी की यात्रा यदि टाली जा सके तो बेहतर रहेगा।

कदम-कदम पर जीवंत होती भारतीय संस्कृति की आत्मा

श्रावण मास शुरू होते ही सड़कों पर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष गूंजने लगे हैं, जैसे-जैसे पन्नग भूषण अवंतिकानाथ महाकालेश्वर के जलाभिषेक की तिथि करीब आती है, वैसे-वैसे सड़कों पर भगवा लहर और जयघोष की गूंज बढ़ती चली जाती है। सावन का महीना शुरू होते ही सड़कों पर आस्था चल पड़ती है। कंधों पर कांवड़, अधरों पर 'हर-हर महादेव' का उद्घोष और हृदय में भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा लेकर आगे बढ़ते करोड़ों श्रद्धालु केवल एक धार्मिक यात्रा ही नहीं करते, बल्कि भारतीय संस्कृति, लोकजीवन, सेवा-परम्परा और राष्ट्रीय एकता की ऐसी जीवंत गाथा लिखते हैं। भारत की सांस्कृतिक चेतना का यही जीवंत स्वरूप कांवड़ यात्रा में दिखाई देता है। यह केवल तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा, साधना, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का विराट लोकपर्व है, यह हमारी सामूहिक संस्कृतिक चेतना का महापर्व है, जो प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांधता है ।वर्षा की पहली फुहारों के साथ ही जब प्रकृति हरित आभा से आच्छादित हो उठती है, तब भारतीय जनमानस भी शिवमय हो जाता है। उत्तराखण्ड की पर्वत-शृंखलाओं से लेकर गंगा के विस्तृत मैदानों तक, गांवों की पगडंडियों से लेकर महानगरों के राजमार्गों तक एक ही स्वर सुनाई देता है—'बोल बम', 'हर-हर महादेव'। यह केवल धार्मिक उद्घोष नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति है जिसने भारत को विविधताओं के बीच भी एकता का सूत्र प्रदान किया है। हरिद्वार, ऋषिकेश, गंगोत्री, गौमुख, सुल्तानगंज, देवघर, काशी, गढ़मुक्तेश्वर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश का पूरा महादेव जैसे पावन स्थल इस यात्रा की प्रमुख धुरी हैं। सभी का लक्ष्य एक ही है—शिव के चरणों में श्रद्धा अर्पित करना ।कांवड़ यात्रा का मूल भाव अत्यंत सरल है—पवित्र नदियों, विशेषतः गंगा से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करना। जल जीवन का प्रतीक है, गंगा पवित्रता और लोककल्याण की प्रतीक हैं तथा भगवान शिव त्याग, करुणा और समस्त सृष्टि के मंगल के प्रतीक हैं। भारतीय पुराणों में समुद्र-मंथन का प्रसंग शिव के लोकमंगलकारी स्वरूप का स्मरण कराता है। जन विश्वास है कि विषपान के पश्चात शिव पर शीतल जल अर्पित करने की परम्परा ने ही आगे चलकर जलाभिषेक की व्यापक परम्पराओं को बल दिया है। हालांकि वर्तमान कांवड़ यात्रा का स्वरूप समय के साथ विकसित हुआ है, किन्तु शिव को जल अर्पित करने की भावना भारतीय धार्मिक चेतना में प्राचीन काल से विद्यमान रही है। भारत में पैदल चलकर तीर्थों तक पहुंचना केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं माना गया, बल्कि उसे आत्मानुशासन और आत्मशुद्धि का साधन समझा गया। यही कारण है कि कांवड़ यात्रा में कठिन परिश्रम को कष्ट नहीं, बल्कि साधना माना जाता है। नंगे पैर चलने वाले अनेक श्रद्धालु, कठिन नियमों संग यात्रा पूरी करते हैं। कुछ श्रद्धालु तो लेट-लेट कर (दांडी कांवड़ यात्रा) आगे बढ़ते हैं। कांवड़ यात्रा की एक और विशिष्टता उसका लोकचरित्र है। इसमें कोई औपचारिक निमंत्रण नहीं दिया जाता, कोई सामाजिक भेदभाव नहीं रहता। यही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति है कि वह विविधताओं को समेटती हुई उन्हें एक व्यापक सांस्कृतिक परिवार में जोड़ देती है। कांवड़ यात्रा भारतीय लोकजीवन का उत्सव है, सामूहिक अनुशासन का अभ्यास है, सामाजिक सहभागिता का उदाहरण है और राष्ट्रीय एकता की चलती-फिरती तस्वीर भी है। जब कंधों पर कांवड़ और होठों पर 'हर-हर महादेव' लेकर लाखों-करोड़ों लोग आगे बढ़ते हैं, तब वस्तुतः उनके साथ भारत की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक परम्परा भी आगे बढ़ रही होती है। कांवड़ यात्रा के साथ समाज स्वयं चल पड़ता है, सेवा के लिए स्वयं खड़ा हो जाता है। जहां-जहां से कांवड़ियों का मार्ग गुजरता है, वहां सेवा अपने आप एक उत्सव का रूप ले लेती है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़क बनी जी का जंजाल

डीएम को ज्ञापन देकर खराब पड़ी सड़कों को जल्द से जल्द ठीक करने की उठाई मांग

» बरसात में खुदी सड़क से मुहल्ला में चारों तरह मचा कीचड़, गलियां खराब होने से बच्चों के स्कूल जाने में हो रहे परेशान, तो वाहन चालक गिरकर हो रहे चोटिल

» सड़कों की मरम्मत के लिए मोहल्ले के आधा सैकड़ा से अधिक लोगों ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन कर की नारेबाजी

» कार्यदायी संस्था के अधिकारी कर्मचारियों पर लगाया कई बार शिकायत करने के बाद भी सुनवाई न करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जहां एक ओर शहर के मोहल्ला पिसनारी बाग़ से निकली नहर के पास बसे मुहल्ले में अमृत योजना-दो के तहत हर घर तक शुद्ध जल पहुंचने के लिए पाइपलाइन डालने हेतु कार्यदाई संस्था द्वारा खोदी गई सड़क और गड्ढों को यूं ही खुला छोड़ दिया गया, जिस कारण मोहल्ले वासियों का जीवन दुबर हो गया है। यहां पर खुदी पड़ी सड़क बरसात के कारण दल दल में तब्दील हो गई है, जिससे मुहल्ले वासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खुले पड़े हुए गड्ढे में कई निजी और कमर्शियल वाहन गिरकर क्षतिग्रस्त हुए, तो सवारियां चोटिल हुईं। इस घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इस मामले को लेकर मोहल्ले वासियों ने काफी आक्रोश व्यक्त किया और अधिकारियों से यहां की सड़कों की मरम्मत करने के साथ-साथ लापरवाही करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग उठाई।

जनपद के शहरी इलाके में शासन की मंशा के अनुरूप अमृत योजना दो के तहत कार्य संस्था द्वारा पाइप लाइन डालने का काम किया जा रहा है, ताकि शुद्ध पेयजल हर घर तक पहुंच सके। लेकिन कार्यदाई संस्था के कर्मचारियों द्वारा पाइपलाइन डालने में काफी लापरवाही वर्ती जा रही है, जिस कारण यहां के लोगों का जीवन नरक सा बन चुका है। कई मोहल्लों में सड़कें खुदी पड़ी हैं, काफी गहरे गड्ढे यूं ही खुले छोड़ दिए गये है, जिनमें वाहन गिरकर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और आने-जाने वाले लोग चोटिल हो रहे हैं। बताया गया है कि शहर के पिसनारी बाग़ मुहल्ले में नहर के आस पास बसी बस्ती में कार्यदाई संस्था द्वारा पाइपलाइन डालने के लिए खोदी गौ सड़क व गड्ढों को यूं ही खुला छोड़ दिया, जिसमें कई निजी और कमर्शियल वाहन गिर रहे हैं और वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं तथा राहगीर और उसमें बैठी सवारियां भी चोटिल हो रही हैं। इतना ही नहीं बरसात के कारण इस इलाके में कीचड़ के कीचड़ युक्त हो गई है जिसे छोटे-छोटे बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं और जो बच्चे स्कूल जाते आते हैं तो यहां फसल कर गिरकर चोटिल हो जाते हैं और उनके कपड़े भी खराब हो जाते हैं। मोहल्ले की महिलाएं अपना काम नहीं कर पा रही हैं और उनके घरों में गंदगी मची हुई है। मोहल्ले वासियों का आरोप है कि इस मामले को लेकर उन्होंने कई बार जिला प्रशासन से शिकायत की लेकिन अधिकारियों ने मामला संज्ञान में नहीं लिया, जिस कारण यहां रोज हादसे हो रहे हैं। अधिकारियों और कार्यदाई संस्था की लचर कार्यप्रणाली पर मोहल्ले वासियों ने काफी आक्रोश जताया और अधिकारियों से यहां की सड़क और गड्ढों के मरम्मत करवाने की मांग उठाई। मोहल्ले वासियों ने तो यहां तक कहा कि यदि जल्द ही यहां मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया जाता, तो वह कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन अनशन पर बैठेंगे,जिसकी समस्त जिम्मेदारी अधिकारियों की होगी। इस दौरान उन्होंने कार्यदाई संस्था के अधिकारी कर्मचारियों पर भी लापरवाही बरतने का आरोप लगाया और शिकायत करने के बाद भी सुनवाई न करने का भी आरोप लगाया। हालांकि जिला अधिकारी ने जल्द ही यहां की सड़क की जल्द ही मरम्मत करवाने का आश्वासन दिया। दिए गए ज्ञापन पर बृजेंद्र सिंह, निरंजन झा, उमेश सेन, अभिषेक, मंजू, भारती, धनकुंवर, जयकुमार पुक्खन, रेखा, कैलाश, राहुल, रवि कुमार सहित करीब आधा सैकड़ा लोगों के हस्ताक्षर बने हुए हैं।

ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाला शातिर चोर जीआरपी के शिकंजे में

स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-1 से गिरफ्तार, चोरी के दो मोबाइल और 800 रुपये नकद बरामद

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक शातिर चोर को जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन और 800 रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जीआरपी थानाध्यक्ष दिनेश सिंह परिहार ने बताया कि वह उपनिरीक्षक राजेश सिंह के साथ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान बीना एंड की ओर एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूमता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने जब उसे रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से दो मोबाइल फोन और 800 रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस ने जब युवक से बरामद मोबाइल फोन के संबंध में खरीद संबंधी बिल या अन्य वैध दस्तावेज मांगे तो वह कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस की कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने स्वीकार किया कि दोनों मोबाइल फोन उसने ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों से चोरी किए थे। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम म.प्र. के जिला विदिशा अंतर्गत मण्डी बामौरा के ढिमरौला पानी टंकी के पास निवासी अजय रायकवार पुत्र बसंता बताया है। जीआरपी थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी शातिर किस्म का चोर है। उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य थानों से भी जुटाई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

पारिवारिक विवाद के चलते अपनी पत्नी व सगे भाई से गाली गलौज कर मारपीट करने का आरोप

पीड़ित भाई की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिरारी निवासी हरि सिंह पुत्र सोबरन यादव ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 6 अगस्त 2026 को सुबह 6:00 बजे उसका परिवार विवाद उसके ही अपने सगे भाई चाली पुत्र सोबरन यादव के साथ हो गया था। इस दौरान दोनों भाइयों के बीच जमकर कहासुनी हुई। इस कहासुनी से आक्रोशित उसके भाई ने उसके साथ सरेआम जमकर गाली गलौज की। इस दौरान जब उसकी भाभी उसे बचाने आई, तब उसके भाई ने भाभी और उसके साथ लात घुसो से मारपीट की। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर आरोपी के खिलाफ 115(2) 352 धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

बानपुर में दंपति और उनके बच्चों को साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

ललितपुर। थाना बानपुर में पुराने विवाद को लेकर दबंग ने विपक्षी दंपति और उसके बच्चों के साथ गांव में सरेआम गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। घटना से असंकित पीड़ित महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। कस्बा बानपुर निवासी श्रीमती रचना पत्नी राजेश कुमार ने स्थानीय थाने में शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि उसका पुराना विवाद कस्बे में ही रहने वाले दबंग विपक्षी जितेंद्र पुत्र गोविंद सिंह से चल रहा है, जिस कारण वह उससे रंजिश भी रखता है। बताया गया है कि तीन दिन पूर्व वह अपने पति और बच्चों के साथ अपने घर पर थी, इसी दौरान दबंग विपक्षी जितेंद्र वहां पर आ धमका और उसके और उसके पति तथा बच्चों के साथ सरेआम जमकर गाली गलौज की। इस दौरान जब उसके पति ने विपक्षी की इस हरकत पर विरोध जताया, तो पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई।

जनपद के आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी मरीजों की जान से कर रहे हैं खिलवाड़

» बानपुर के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मरीज को एक्सपायरी दवाओं का किया जा रहा है वितरण

» एक्सपायरी दवाई वितरण करने पर पीड़ित मरीज ने काउंटर पर वापस की दवाइयां

» साथ ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर कार्यवाही की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनपद में कई सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों का संचालन इसलिए किया जा रहा है, ताकि इलाके के ग्रामीणों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके और उन्हें समय पर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध हो सके। लेकिन जनपद में संचालित आरोग्य मंदिरों में यहां के कर्मचारियों की लचर कार्यप्रणाली के चलते आने वाले मरीजों को एक्सपायरी डेट की दवाएं थमाई जा रही हैं, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताया गया है कि बानपुर के आरोग्य मंदिर में एक मरीज को एक्सपायरी डेट की दवा थमा दी गई। गनीमत यह रही कि मरीज ने वह दवाई समय रहते देख ली और काउंटर पर वापस कर इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसमें उसने जिम्मेदार अधिकारियों से मामले में कार्यवाही की मांग उठाई है।

मिली जानकारी के अनुसार बानपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बड़ोखरा निवासी जहर सिंह की तबीयत खराब होने के कारण वह कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आरोग्य मंदिर में अपना इलाज करने के लिए गया हुआ था।

बताया गया है कि अस्पताल में पहुंचने के बाद उसने वहां तैनात डॉक्टर को दिखाया और उसके बाद अस्पताल के काउंटर से पर्चे में लिखी दवाइयाँ और लगाने वाली ट्यूब (मलहम) मुझे दी गईं। इस दौरान मरीज ने जब दवाइयां और मरहम को चेक किया, तो पता चला कि वे सभी 'एक्सपायरी डेट' (समय सीमा समाप्त) की थीं। इस दौरान मरीज की सतर्कता से उसकी जान और त्वचा बच गई। यदि मरीज में इसकी एक्सपायरी डेट पर ध्यान नहीं दिया होता तो हो सकता है, आज उसकी जान चली जाती। इस दौरान मरीज ने यहां पर इसका एक वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल किया जिसमें लोगों को यह संदेश दिया गया है कि वह सरकारी अस्पताल से जो भी दवाइयां लेने उसकी एक्सपायरी डेट जरूर जांच कर लें। इसके साथ उसने जनपद स्तरीय अधिकारियों से यह मांग उठाई कि इस काउंटर पर तैनात कर्मचारियों को तत्काल निलंबित कर दिया जाए ताकि अन्य मरीजों की जान बच सके क्योंकि यहां पर लापरवाह कर्मचारियों एक्सपायरी डेट की दवाएं मरीजों को दे रही हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बिना पढ़े-लिखे मैरिज उन्हें बिना जांच ही इसका सेवन कर लेते हैं जिससे उनकी जान पर बन सकती है। अब इस मामले में देखने वाली बात है होगी कि जब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है तब जनपद स्तरीय जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई अमल में लाते हैं।

प्रभु की भक्ति में ही जीवन की शांति -मुनि विशद सागर

जैन पंचायत द्वारा हुआ चातुर्मास पत्रिका का विमोचन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटा मंदिर में धर्मसभा को सम्बोधित करते मुनि श्री विशद सागर महाराज ने कहा कि जीवन में प्रभु की भक्ति ही पुण्य के कारण हैं। पूजन अर्चन और शांतिधारा को भक्ति का माध्यम बताते हुए उन्होंने कहा हमें अपने जीवन को अधिक से अधिक प्रभु चरणो से जोडना चाहिए। मुनि श्री ने धर्म सभा में श्रावकों को जीवन में पाप न करने की सीख देते हुए कहा यह विनाश का कारण है। मानव जीवन को पुण्यशाली बनाने के लिए मुनि श्री ने धर्मसभा में श्रावकों को प्रेरित किया।

धर्मसभा का शुभारम्भ आचार्यश्री विद्या सागर महाराज के चित्र के सम्मुख दीपप्रज्वलित कर श्रेष्ठीजनों द्वारा किया गया। इस मौके पर दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष डा० अक्षय टडैया एवं पदाधिकारियों ने आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि विशद सागर महाराज एवं शिवसागर महाराज के ललितपुर में वर्ष 2026 के चातुर्मास पत्रिका का विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मंदिर प्रबंधक मनोज जैन बबीना ने बताया कि 16 अगस्त को अपरान्ह 1 बजे जैन अटामंदिर में मुनि संघ का चातुर्मास कलश स्थापना कार्यकम प्रतिष्ठाचार्य वाल ब्रहमचारी प्रदीप भैया सुयश अशोकनगर के मार्गदर्शन में होगा। इस मौके पर जैन पंचायत संयोजक सनत जैन खजुरिया, कोषाध्यक्ष सीए सौरभ जैन, अजय जैन गंगचारी, अखिलेश गदयाना, महेन्द्र मयूर, मीडिया प्रभारी अक्षय अलया अमित सराफ, अशोक उमारिया, मनोजजैन पत्रकार, धन्यकुमार जैन, दिलीप चौधरी, अनंत सराफ, नरेश मुक्ता, राहुल कूम्हैण्डी, अनीता मोदी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एसपी ने शुक्रवार परेड एवं पुलिस लाइन स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

पुलिस अधीक्षक, ललितपुर श्री संजीव कुमार बाजपेई द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परेड में सम्मिलित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्रिल, अनुशासन, टर्नआउट, ड्रेस कोड, शारीरिक दक्षता एवं सामूहिक तालमेल का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया।

परेड के दौरान आवश्यक ड्रिल का अभ्यास कराया गया तथा पुलिस बल को अनुशासन, समय पालन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया। परेड निरीक्षण के उपरान्त उन्होंने रिजर्व पुलिस लाइन्स परिसर स्थित क्वार्टर गार्द, शस्त्रागार एवं स्टोर रूम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान साफ-सफाई, अभिलेखों के समुचित रख-रखाव, उपलब्ध संसाधनों की स्थिति एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात महोदय द्वारा परिवहन शाखा में वाहनों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वाहनों की साफ-सफाई, संचार व्यवस्था, वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैब/मोबाइल सहित अन्य आपातकालीन उपकरणों की कार्यशीलता का परीक्षण किया गया। साथ ही उपलब्ध उपकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि सभी संसाधन सदैव पूर्णतः क्रियाशील अवस्था में रहें, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल एवं प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जा सके। तत्पश्चात रिजर्व पुलिस लाइन्स परिसर स्थित जिमनेजियम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिम में उपलब्ध उपकरणों एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए पुलिसकर्मियों के शारीरिक स्वास्थ्य, फिटनेस एवं कार्यक्षमता को बेहतर बनाए रखने हेतु नियमित व्यायाम एवं जिम का उपयोग करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही जिम में उपलब्ध उपकरणों के समुचित रखरखाव, साफ-सफाई एवं उन्हें नियमित रूप से उपयोग योग्य स्थिति में रखने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित भोजनालय का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भोजनालय में रखे अभिलेखों, परिसर की साफ-सफाई एवं सुव्यवस्थित रखरखाव तथा खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता का सूक्ष्मता से परीक्षण किया गया। साथ ही पुलिसकर्मियों को उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं पौष्टिकता पर विशेष ध्यान देते हुए भोजन को पौष्टिक, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाए रखने तथा भोजनालय की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित करने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अन्त में एसपी पुलिस कर्मियों का अर्दली रूम लिया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार, क्षेत्राधिकारी तालबेहट आशीष मिश्रा, क्षेत्राधिकारी मड़ावरा आलोक कुमार अग्रहरि, प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चन्द्र सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गाँव में सरेआम गाली गलौज करने से मना करने पर मारपीट करने का आरोप

पीड़िता की शिकायत पर गांव की ही विपक्षी पर मामला दर्ज

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत स्थानीय कस्बे में रहने वाले दो ग्रामीणों के बीच उत्पन्न हुए विवाद के दौरान दबंग ने विपक्षी को दबोच पर उसके साथ सरेआम गाली गलौज कर मारपीट की। घटना के संबंध में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कस्बा जखौरा निवासी राहुल पुत्र पप्पू रैकवार में स्थानीय थाने में प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि दिनांक 6 अगस्त 2026 को रात्रि 9:00 बजे वह अपने घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान वहां पर मौजूद मंजू कबूतरा पुत्र मारे सिंह से उसकी कहासुनी हो गई थी। इस कहासुनी के दौरान विपक्षी इतना आक्रोशित हो गया कि वह सरेआम गाली गलौज करने लगा। जब उसने विपक्षी की इस हरकत पर विरोध जताया और गालियां देने से मना किया, तो दबंग ने उसे मौके पर दबोच कर उसके साथ लात घूसों से मारपीट की। थाना जखौरा पुलिस में मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर नामजद आरोपी विपक्षी के खिलाफ 115(2), 352 धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का विसर्जन

शिवभक्ति से सराबोर रहा तालबेहट

तालबेहट। नगर के प्रसिद्ध बरिया बाली माता मंदिर में श्रावण मास के अवसर पर आयोजित सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण, अभिषेक, पूजन एवं हवन कार्यक्रम का शुक्रवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में समापन हो गया। अंतिम दिन वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर हजारिया मंदिर स्थित मानसरोवर पहुंची। वहां पार्थिव शिवलिंगों का विधिवत विसर्जन किया गया।

यह धार्मिक आयोजन 30 जुलाई को भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ था। आयोजन के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रुद्राभिषेक, पूजन और हवन में शामिल हुए। पूरे श्रावण मास में मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' के जयघोष और भक्ति संगीत से गूंजता रहा, जिससे नगर का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया।

आयोजन में मुख्य यजमान ब्रजेंद्र-हेमलता सोनी, शंकर-पुष्पलता सोनी, धर्मेंद्र-पूनम तिवारी, विजय-अर्चना सोनी, नरेंद्र-सुगंधा सोनी, धर्मेंद्र-लक्ष्मी लक्ष्यकार, जितेंद्र-दीपा लक्ष्यकार तथा मधुर-वर्षा चौबे सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। यज्ञाचार्य मनोज बिदुआ के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। आयोजन को सफल बनाने में मुकेश बिदुआ, संदीप जी, योगेश जी, जयकुमार सोनी, अरुण सोनी, गज्जू, शिवम सोनी, अभिषेक झा, रामबाबू, आयुष बिलगैया, राजेश रैकवार, आनंद योगी, मनीष सहित अनेक श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

शिव आराधना से व्यक्ति भवसागर को पार होता है : चंद्रेश्वर गिरी

शुक्रवार को श्रद्धालुओं ने बनाये 15 लाख पार्थिव शिवलिंग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

श्री सिद्धपीठ चंडी मंदिर धाम पर चल रहे सवा पांच करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम में शुक्रवार को श्रद्धालुओ ने 15 लाख पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया।अपराह्न में पार्थिव शिवलिंग का महारूद्धाभिषेक किया गया।तत्पश्चात श्री शिव महापुराण की कथा सुनाते हुए परमपूज्य चंडी पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी चंद्रेश्वर गिरी महाराज ने कहा कि जो श्रवण,कीर्तन और मनन – इन तीनों साधनों व अनुष्ठान से भगवान शंकर के लिंग एवं मूर्ति की स्थापना करके नित्य उसकी पूजा करे तो संसार-सागर से पार हो सकता है।अपने सामर्थ्य के शक्ति के अनुसार दान ले जाय और उसे शिवलिंग अथवा शिवमूर्ति की सेवा के लिये अर्पित कर दे | साथ ही निरंतर उस लिंग एवं मूर्ति की पूजा भी करे | उसके लिये भक्तिभाव से मंडप, गोपुर, तीर्थ, मठ एवं क्षेत्र की स्थापना करें तथा उत्सव रचाये | वतस्त्र, गंध, पुष्प, धुप, दीप तथा पूजा और प्रसाद अन्न नैवेद्य के रूप में समर्पित करे | छत्र, ध्वजा, व्यंजन, चामर तथा अन्य अन्गोसहित राजोपचार की भांति सब सामान भगवान शिव के लिंग एवं मूर्ति को चढाये | प्रदक्षिणा, नमस्कार तथा यथाशक्ति जप करे |

आवाहन से लेकर विसर्जनत्तक सारा कार्य प्रतिदिन भक्तिभाव से सम्पन्न करे | इस प्रकार शिवलिंग अथवा शिवमूर्ति में भगवान शंकर की पूजा करनेवाला पुरुष श्रवणादि साधनों का अनुष्ठान करे तो भी भगवान शिवकी प्रसन्नता व सिद्धि प्राप्त कर लेता हैं |प्राचीन समय में कई भक्तों ने अपनी भक्ति से शिव को प्रसन्न किया हैं।उन्होंने कहाकि ब्रह्म व सर्वत्र होने के कारण 'निष्कल' (निराकार) कहे गये हैं | रूपवान होनेके कारण उन्हें 'सकल' भी कहा गया हैं | इसलिए वे सकल और निष्कल दोनों हैं | शिवके निष्कल – निराकार होने के कारण ही उनकी पूजा का आधारभूत लिंग भी निराकार ही प्राप्त हुआ हैं | अर्थात शिवलिंग शिव के निराकार स्वरूप का प्रतीक हैं | इसी तरह शिव के सकल या साकार होने के कारण उनकी पूजा का आधारभूत विग्रह साकार प्राप्त होता हैं अर्थात शिव का साकार विग्रह उनके साकार स्वरुप का प्रतीक होता हैं | सकल और अकल (समस्त अंग-आकार-सहित निराकार) रूप होने से ही वे 'ब्रह्म' शब्द से कहे जानेवाले परमात्मा हैं | वही कारण हैं कि सब लोग लिंग (निराकार) और मूर्ति (साकार) दोनों में ही सदा भगवान शिव की पूजा करते हैं।पूजन व महारूद्धाभिषेक मुख्य यजमान हरिशंकर साहू व राजेश्वरी सिसौदिया द्धारा किया गया।

जनपद की सीमा के भीतर निवास करने वाले तथा आने जाने वाले सभी लोगों के लिये धारा-163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता अन्तर्गत आदेश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जैसा कि आप सभी अवगत है, कि दिनॉक 15 अगस्त 2026 को स्वतन्त्रता दिवस, दिनॉक 26 अगस्त 2026 को ईद-ए-मिलाद/बारावफात, दिनॉक 28 अगस्त 2026 को रक्षावन्धन, दिनॉक 04 सितंबर 2026 श्री कृष्ण जन्माष्टमी तथा दिनॉक 22 सितंबर 2026 को डोल ग्यारस/जल बिहार आदि त्योहार मनाया जाना है, उक्त त्योहारों के दृष्टिगत जनपद में आसामाजिक तत्वों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु शांति व्यवस्था भंग करने एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। उक्त अवसर पर शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक एवं समीचीन है।

अतएव उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु दिनांक 07 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक जनपद की सीमान्तर्गत धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू किया जाना अपरिहार्य है। अतः मैं, दिनेश कुमार, अपर जिला मजिस्ट्रेट, ललितपुर, धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत निम्नलिखित निषेद्याज्ञायें पारित करता हूॅ। किसी भी स्थान पर पांच या उससे अधिक व्यक्ति समूह के रूप में एकत्रित नहीं होंगे। सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति, पार्टी अथवा संगठन किसी तरह का प्रदर्शन नहीं करेगें। यह कि जनपद की सीमाओं में कोई भी व्यक्ति शादी विवाह आदि कार्यक्रमों में हर्ष फायरिंग नही करेगा और न ही किसी प्रकार के ज्वलनशील पदार्थ लेकर चलेगा। कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक/धार्मिक स्थल का प्रयोग राजनैतिक गतिविधियों के लिये नहीं किया जायेगा ओर न ही वहॉ से प्रकार का भाषण, बक्तव्य चाहे वह मौखिक हो या लिखित रूप में, जारी नहीं करेगा, जिससे किसी धर्म, जाति, सम्प्रदाय अथवा व्यक्ति विशेष पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की व जन भावना उद्वेलित होने की सम्भावना हो। कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा और न ही उसका प्रदर्शन करेगा, जिससे जन सामान्य में भय अथवा आक्रोश उत्पन्न होने की सम्भावना हो। परन्तु यह प्रतिबन्ध शासकीय ड्यूटी पर तैनात अधिकारी/कर्मचारियों तथा लाठी के संबंध में अपंग व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति मदिरा व अन्य मादक पदार्थ का सेवन कर जुलूस एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों में प्रवेश नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति उक्त अवधि में सक्षम अधिकारी की अनुमति के विना लाउडस्पीकर (ध्वनि के यंत्रों) तथा डी0जे0 का प्रयोग नहीं करेगा। उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश विशेष परिस्थितियों में अधोहस्ताक्षरी/उप जिला मजिस्ट्रेट, ललितपुर/महरौनी/तालबेहट/पाली/मड़ावरा द्वारा अनुमति दिये जाने पर उस सीमा तक शिथिल होगे, जिस सीमा तक अनुमति दी जायेगी।

बरौदा डांग के माता मंदिर से घंटे चोरी के मामले में एक सप्ताह बाद भी पुलिस के खाली हाथ

» श्रद्धालुओं में पनपा आक्रोश

» पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण क़र जल्द ही मामले के खुलासे का दिया था आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

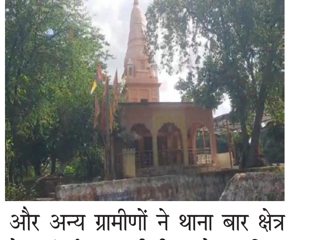

थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरौदा डांग में चार दिन पूर्व रात्रि में अज्ञात बदमाशों ने गाँव के माता मंदिर परिसर में सेंधमारी करते हुए वहां लगे हुए करीब आधा दर्जन छोटे-बड़े घंटों पर हाथ साफ कर दिया और वहां से लेकर रफू चक्कर हो गए थे। इस मामले में पुजारी और ग्रामीणों ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया था लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद आज भी पुलिस के हाथ खाली हैं जिससे इलाके के श्रद्धालुओं में आक्रोश पनपता हुआ दिखाई दे रहा है। इलाके के श्रद्धालुओं ने जल्द ही मंदिर में हुई चोरी के कुलसी की मांग उठाई है। क्योंकि निरीक्षण के दौरान पुलिस ने जल्द ही चोरी के मामले के खुलासा का आश्वासन दिया था

मिली जानकारी के अनुसार गत 31 जुलाई 2026 की रात ग्राम बरौदा डांग में उस समय गांव के श्रद्धालुओं की आस्था पर गहरी चोट पहुंची, जब स्थित प्राचीन माता मंदिर को अज्ञात बदमाशों ने अपना निशाना बनाया और मंदिर परिसर में टंगे हुये छोटे-बड़े करीब आधा दर्जन घंटों को लेकर वहां से रफू चक्कर हो गए। बताया गया है कि अज्ञात बदमाशों ने यहां पर लगा हुआ एक बड़ा घंटा जिसका वजन करीब 11 किलो का बताया जा रहा है चोरी कर लिया इसके साथ ही यहां पर लगे हुए कुछ छोटे और बड़े घंटे भी चोरी कर अपने साथ लेकर वहां से रफू चक्कर हो गए सुबह जब मंदिर के पुजारी और स्थानीय ग्रामीण माता के दर्शनों के लिए पहुंचे तो परिसर में टंगे हुए घंटे गायब होने से हड़कंप जैसी स्थिति रही। इसके बाद यहां पर गांव के सभी श्रद्धालु एकत्रित हुए जिनमें आक्रोश की स्थिति देखी गई, बताया गया है कि मंदिर के पुजारी संदीप शर्मा और अन्य ग्रामीणों ने थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत नजदीकी पारोन पुलिस चौकी जाकर 1 अगस्त को शिकायती पत्र देकर मामले में कार्यवाही की मांग उठाई थी। हालांकि घटना की सूचना पर टीम मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया था। इसके साथ ही यहां के ग्रामीणों को इस मामले का जल्द ही खुलासा करने का आश्वासन दिया था। लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी आज पुलिस के हाथ खाली हैं और वह चोरों का पता नहीं लगा सकी। मंदिर में हुई चोरी को लेकर इलाके के श्रद्धालुओं में आक्रोश बना हुआ है और उन्होंने पुलिस से इस मामले के जल्द से जल्द खुलासा करने की मांग उठाई है।

एसपी ने गूगल मीट के माध्यम से मीटिंग कर अधीनसथों को कानून-व्यवस्था की समीक्षा कर दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई द्वारा गूगल मीट के माध्यम से जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियो/थाना/चौकी प्रभारियों के साथ कानून-व्यवस्था सम्बन्धी समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । इस दौरान बताया गया कि स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन हेतु संचालित *"मिशन सेफ फ्यूचर"* अभियान के अंतर्गत स्कूली वाहनों (बस, ऑटो, ई-रिक्शा आदि) की नियमित चेकिंग कर सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने, वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, चालक का ड्राइविंग लाइसेंस एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच करने तथा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए।

ई-रिक्शा चालकों के सत्यापन हेतु निर्देशित किया गया कि थाना/चौकी क्षेत्र में संचालित ई-रिक्शाओं एवं उनके चालकों का नियमानुसार सत्यापन कराया जाए तथा चालकों के अभिलेखों एवं पहचान संबंधी विवरण की जांच की जाए। संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों अथवा नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। लव-जिहाद से संबंधित गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र में ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना प्राप्त होने पर तथ्यों का सत्यापन कर विधि एवं साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रसारित होने वाली भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सूचनाओं पर भी सतर्क निगरानी रखते हुए कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले किसी भी प्रयास पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। चेन स्नैचिंग एवं टप्पेबाजी की घटनाओं की रोकथाम हेतु थाना/चौकी क्षेत्रों में प्रभावी गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, बैंक/एटीएम एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा पूर्व में घटित घटनाओं में संलिप्त अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए घटनाओं की रोकथाम एवं अनावरण हेतु प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। नियमित वाहन चेकिंग एवं संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी हेतु निर्देशित किया गया कि थाना/चौकी क्षेत्रों में नियमित रूप से प्रभावी वाहन चेकिंग अभियान चलाया जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की नियमानुसार चेकिंग/पूछताछ की जाए। तेज आवाज करने वाले साइलेंसर युक्त वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा ऐसे वाहनों से आमजन को होने वाली असुविधा एवं ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। छात्र आंदोलनों की गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि छात्र संगठनों एवं शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित गतिविधियों की सतत जानकारी रखी जाए तथा छात्र आंदोलनों की स्थिति में स्थानीय स्तर पर संवाद एवं समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु थाना/चौकी क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, महिला संबंधी शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनकर त्वरित कार्रवाई करने तथा महिला अपराधों में संलिप्त/वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत संवेदनशील स्थानों पर नियमित गश्त एवं निगरानी बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया।

कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था एवं निगरानी हेतु निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रा मार्गों, शिवालयों एवं अन्य स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती एवं प्रभावी गश्त सुनिश्चित की जाए। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, कांवड़ियों एवं आमजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखने तथा यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए सतत निगरानी एवं आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

श्रावण मास में श्री किले के हनुमान मंदिर में प्रतिदिन हो रहा मास परायण पाठ, श्रद्धालु ले रहे धर्मलाभ

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

पावन श्रावण मास के शुभ अवसर पर प्रचारिणी समिति महरौनी के तत्वावधान में नगर स्थित श्री 1008 श्री किले के हनुमान मंदिर प्रांगण में 1 अगस्त से 24 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन मास परायण पाठ का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस अनुष्ठान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा-श्रवण, पूजन एवं भक्ति भाव से धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

श्रावण मास के दौरान चल रहे इस आध्यात्मिक आयोजन से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर है। श्रद्धालु पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ सहभागिता निभाते हुए भगवान के श्रीचरणों में अपनी आस्था अर्पित कर रहे हैं।

आयोजन को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने में सुखनंदन तिवारी, रामकृष्ण नायक, हरदेव रावत, बाबूलाल नायक, ओमप्रकाश पालीवाल, शिव प्रसाद पुरोहित, रमेशचंद्र पांडेय, कृष्ण स्वरूप पटेरिया, बलराम पुरोहित, ओमप्रकाश साहू, रामेश्वर प्रसाद सोनी, महिपाल सिंह तथा गणेश प्रसाद साहू सहित अनेक श्रद्धालुओं का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त खबरें

मड़ावरा में चातुर्मास कलश स्थापना आज,होंगे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

मुनि निर्मद सागर,नीरज सागर जी का हो रहा कस्बा मड़ावरा में चातुर्मास

मड़ावरा(ललितपुर)। चातुर्मास व्यवस्था समिति के डॉ राकेश कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को आयोजित होने वाले चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम ठीक दोपहर 1बजे से शुभारंभ किया जाएगा जिसमें में दानदाताओं द्वारा बोली के माध्यम से चातुर्मास कलशों को स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त किया जाएगा उक्त चातुर्मास स्थापना कलश चार माह उपरांत रिद्धि सिद्धि दायक मंत्रों से सिद्ध होकर दानदाता परिवार को प्रदान किये जायेंगे साथ ही उन्होंने बताया कि उक्त आयोजन के दौरान महावीर विद्याविहार में बनने वाले पाषाण युक्त विशाल जिनालय की भी रूपरेखा तय होगी उक्त मंदिर निर्माण में अपनी चंचला लक्ष्मी का उपयोग करने वाले पात्रों का भी चयन किया जाएगा सकल दिगम्बर जैन समाज मड़ावरा व उद्योग व्यापार मंडल मड़ावरा ने उक्त आयोजन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारने का आह्वान किया है।

ब्राह्मण महा मंडल की आवश्यक बैठक 9 अगस्त को, संगठन अध्यक्ष ने की अधिकाधिक सहभागिता की अपील

महरौनी। ब्राह्मण समाजोत्थान सेवा संस्थान (रजि.) के तत्वाधान में ब्राह्मण महा मंडल क्षेत्र महरौनी की एक आवश्यक बैठक रविवार, 9 अगस्त को आयोजित की जाएगी। बैठक ग्राम पठा विजयपुरा स्थित हर नृसिंह मंदिर (बड़ा मंदिर) परिसर में दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगी। संगठन अध्यक्ष रामविलास कटारे ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी तथा आगामी सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा तय की जाएगी।

उन्होंने महरौनी विधानसभा क्षेत्र के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों एवं विप्रजनों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर संगठन को सशक्त बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

सरकार के द्वारा समाज के हर वर्ग को मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभ : राज्यमंत्री

» समाज के अंतिम छोर पर खड़े आखिरी व्यक्ति को संतृप्त करने तक चलता रहेगा अभियान : जिलाधिकारी

» सरकारी योजनाओं से वंचित सहरिया समुदाय के उत्थान के लिए जिलाधिकारी ने शुरू किया सहरिया संतृप्तिकरण अभियान

» तहसील पाली में सहरिया संतृप्तिकरण कार्यक्रम में एक साथ सैंकड़ों लोगों के बनाये गए आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

बुन्देलखण्ड का जनपद, जो अपनी प्राकृतिक सम्पदा के लिए जाना जाता है और प्रकृति के वरदान कही जाने वाली जड़ीबूटियों की उपलब्धता की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण जिला है। यहां के जंगलों में एक ऐसा समुदाय निवास करता है, जो इन्हीं जड़ीबूटियों के सहारे अपना जीवन यापन करता है और दूसरों को स्वस्थ्य रखने के लिए जड़ीबूटी औषधि उपलब्ध कराता है। लेकिन आज भी यह वर्ग आर्थिक और सामाजिक विकास से कोसो दूर है। इसका मुख्य कारण ये है कि सहरिया आदिवासी समुदाय के लोगों के पास उनके पहचान व जन्म सम्बंधी कोई वैद्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। इसी कारण वे शासन-प्रशासन की अनेकों महत्वपूर्ण व विकास परक योजनाओं से वंचित रह जाते हैं, परन्तु अब ज्यादा समय तक वे इन योजनाओं से वंचित नहीं रहेंगे। क्योंकि जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने जनपद के सहरिया समुदाय को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए आर्थिक व सामाजिक उत्थान का संकल्प लिया है और उनके मूलभूत दस्तावेज बनाये जाने का अभियान शुरू किया है।

जिलाधिकारी के इस अभियान के तहत सहरिया लोगों और उनके बच्चों के जन्म व आधार कार्ड बनाये जाने के लिए गांव-गांव में कैम्प लगवाकर जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड बनाये जा रहे हैं। साथ ही इन दस्तावेजों के बन जाने के बाद सहरिया समुदाय के लोगों को आवास, इजातपत्र, राशन, विद्युत व नल कनेक्शन, कृषि और स्वरोजगार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को जिलाधिकारी ने जनपद की जनजाति बाहुल्य पाली तहसील में सहरिया संतृप्तिकरण कार्यक्रम आयोजित कराया, जहां सैंकड़ों की संख्या में सहरिया लोगों के जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार व अन्य प्रमुख सरकारी योजनाओं से सम्बंधित विभागों द्वारा कैम्प लगवाकर मौके पर ही उनके दस्तावेज तैयार कराये गए। इस दौरान स्थानीय लोगों ने तहसील पाली में पहुंचकर अलग-अलग स्टॉलों पर अपने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र व आधार कार्ड बनवाये, साथ ही विभिन्न योजनाओं के लिए अपना पंजीकरण भी कराया। कार्यक्रम में उ0प्र0 शासन के राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ व जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय जनजाति समुदाय के लोगों से वार्ता की, उनकी समस्याओं को सुना और मौके पर ही दूरभाष के माध्यम से जिला स्तरीय अधिकारियों को त्वरितनिस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो लोग आज अपने दस्तावेज बनवाने आये हैं, उनके दस्तावेज आज के आज ही बनाकर उनकी मांग के अनुसार सरकारी योजनाओं में पंजीकरण कराकर लाभान्वित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्व0 मुरारीलाल आदिवासी संघर्ष समिति के एड. हरदयाल सिंह लोधी व पूजा कश्यप द्वारा काफी मेहनत कर सहरिया जनजाति के लोगों को जागरुक कर इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। इन सभी के सहयोग से आज सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों को सरकारी योजनाओं से आच्छादित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सहरिया संतृप्तिकरण अभियान के तहत जिले के ऐसे ग्रामों को चिन्हित किया जा रहा है, जहां जनजाति आबादी अधिक संख्या में है, वहां पर आधार, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन, जॉबकार्ड सहित अन्य योजनाओं के प्रमाण पत्र व पंजीयन शिविर आयोजित कराये जा रहे हैं। उन्होंने आज के वृहद कार्यक्रम के लिए जनप्रतिनिधिगणों, स्वयं सेवी संस्थाओं व स्थानीय लोगों का धन्यवाद दिया और कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति विकास की मुख्य धारा का अंग नहीं बन जाता है। राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हर वर्ग को विकासपरक योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जो समुदाय पूर्व में इन योजनाओं से वंचित रहे, शोषित रहे, अब उनको विकास की मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद में जिलाधिकारी के द्वारा सहरिया समुदाय के लोगों की जमीनों को कब्जामुक्त कराया जा रहा है और जिनके पास जमीनें नहीं हैं उन्हें पट्टे दिये जा रहे हैं। सहरिया जनजाति के लिए जिलाधिकारी ने जो पहल शुरू की है, आप सभी उसका लाभ उठायें और आज यहां रुक कर अपने सभी दस्तावेज बनवा लें ताकि आपको सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। कार्यक्रम के दौरान ही स्थानीय लोगों ने कुछ प्रमुख समस्याएं जिलाधिकारी को बताईं, जिनमें बंट मार्ग बनवाये जाने का अनुरोध किया गया, इस पर जिलाधिकारी ने मौके पर ही दूरभाष के माध्यम से सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर मार्ग बनवाये जाने के लिए प्रस्ताव उपलब्ध करायें। इसके साथ ही दूधई डुगरिया क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क न आने की समस्या से अवगत कराया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को क्षेत्रीय संचार अधिकारियों से समन्वय कर नेटवर्क की समस्या का प्रभावी समाधान कराने के निर्देश दिये। कार्यक्रम के दौरान कुछ सहरिया समुदाय की महिलाओं द्वारा राशन कार्ड बनवाने का अनुरोध किया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी के माध्यम से मौके पर ही राशन कार्ड बनवाये जाने के लिए पंजीकरण कराया।इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों में नगर पंचायत अध्यक्ष मनीष तिवारी, जिला पंचायत सदस्य अमर विश्वकर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। अधिकारियों में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, उप जिलाधिकारी पाली घनश्याम भारती, जिला प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र मिश्रा, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तीन दिन तिरंगा रोशनी से जगमगाएंगे ऐतिहासिक स्थल व सरकारी भवन

» स्वतंत्रता दिवस को समारोह पूर्वक मनाये जाने के लिए सीडीओ ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ की बैठक

» महापुरुषों की प्रतिमाओं पर होगा माल्यार्पण, निकाली जायेंगी तिरंगा यात्राएं

» सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं में झंडारोहण के साथ गाया जाएगा राष्ट्रगान व राष्ट्रीय गीत

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान की अध्यक्षता में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाये जाने के हेतु सभी विभागाध्यक्षों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई और अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कार्यक्रम को भव्यता व गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित कराने के निर्देश दिये गए। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि वह शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित देश के शहीदों, महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं के आसपास साफ-सफाई, प्रकाश आदि की व्यवस्था कराकर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में माल्यार्पण करायेंगे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के दिन जनपद में निर्बाध विद्युत आपूर्ति पेयजल आपूर्ति सहित सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें, शहर एवं ग्रामों में विशेष सफाई अभियान चलाये जायें। अमृत सरोवरों पर ग्राम के अमर शहीदों व महापुरुषों के नाम पर वृक्षारोपण अभियान चलायें। इसके साथ ही तिरंगा यात्राओं का आयोजन भी कराया जाए और राष्ट्रीय ध्वज का सम्पूर्ण सम्मान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कार्यक्रम की रुपरेखा के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया कि दिनांक 13 से 15 अगस्त को समस्त सरकारी भवनों, इमारतों, स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े एतिहासिक स्मारकों को रात्रि में प्रकाशमान किया जाएगा। दिनांक 15 अगस्त को प्रातः महापुरुषों-पूज्य महात्मा गांधी जी, चन्द्रशेखर आजाद एवं घंटाघर के पास लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल, वीर सावरकर, बृजनन्दन किलेदार (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी), डॉ0 भीमराव अम्बेडकर, कर्पूरी ठाकुर, अवंतीबाई, महारानी लक्ष्मीबाई, पं0 परमानन्द जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। सरकारी तथा गैरसरकारी कार्यालयों एवं संस्थाओं में ध्वारोहण के साथ ही राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन किया जाएगा। समस्त शिक्षण संस्थाओं में झण्डारोहण, झण्डा अभिवादन के साथ ही राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन किया जाएगा। जिला कारागार, राजकीय किशोर गृह दैलवारा, राजकीय सम्प्रेक्षण बाल गृह सिद्धनपुरा एवं मदर टेरेसा आश्रम पनारी में फल वितरण किया जाएगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दिनेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी अतिरंजन सिंह, उप जिलाधिकारी तालबेहट अभिजीत सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, जिला पंचायत राज अधिकारी अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार ने वरिष्ठ कार्यकर्ता रामकिशन निरंजन को दी भावभीनी श्रृद्धांजलि

महरौनी। तहसील स्तरीय गायत्री परिवार महरौनी की एक शोकसभा आयोजित कर संगठन के वरिष्ठ एवं समर्पित कार्यकर्ता स्वर्गीय रामकिशन निरंजन (चौकी वाले) के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय रामकिशन निरंजन का संपूर्ण जीवन गायत्री परिवार एवं युग निर्माण मिशन के आदर्शों को समर्पित रहा। उन्होंने मिशन के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए उन्हें जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके सरल, सेवाभावी एवं समर्पित व्यक्तित्व को सदैव स्मरण किया जाएगा। उनके निधन से गायत्री परिवार ने एक कर्मनिष्ठ, सक्रिय एवं प्रेरणास्रोत कार्यकर्ता को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

शोकसभा में कैलाश नारायण सिसोदिया, अमर सिंह, शैलेंद्र सिंह, रविंद्र श्रीवास्तव, प्रखर खरे, महिपाल सिंह एडवोकेट, रामसेवक नामदेव, राजशेखर पांडेय, रामविलास खरे, राजबहादुर खरे, जितेंद्र भर्ता, राजाराम साहू, हजारी साहू, इंद्रजीत नामदेव, मोहन चंदेल, मुकेश श्रीवास्तव (पार्षद), प्रवेशानंद श्रीवास्तव, सोना सेन, रामकुमारी नामदेव, प्रियंका, वर्षा श्रीवास्तव सहित गायत्री परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

2027 मिशन को लेकर बसपा की मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

बहन कु.मायावती को पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प

ललितपुर। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में गुरुवार को सिविल लाइन स्थित जिला पार्टी कार्यालय पर झांसी मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में झांसी, जालौन एवं ललितपुर जनपद के पदाधिकारियों एवं विधानसभा प्रभारियों की समीक्षा करते हुए वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पार्टी सुप्रीमो सुश्री मायावती के संगठनात्मक निर्देशों से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया। बैठक की शुरुआत बसपा के वरिष्ठ नेता एवं रसड़ा (बलिया) विधानसभा से विधायक रहे ठाकुर उमाशंकर सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने और शोक संवेदना व्यक्त करने के साथ हुई। मुख्य अतिथि झांसी एवं चित्रकूट मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी विक्रम सिंह जाटव (आगरा) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में चित्रकूट एवं झांसी मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी लालाराम अहिरवार तथा झांसी मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी मानवेंद्र सिंह पटेल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने कहा कि वर्ष 2027 में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती को पांचवीं बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लक्ष्य के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा, समर्पण और संगठनात्मक मजबूती के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से दोनों हाथ उठवाकर संकल्प दिलाया कि वे तन, मन और धन से पार्टी को मजबूत करेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटेंगे। वक्ताओं ने कहा कि बसपा सरकार के कार्यकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बेहतर कानून व्यवस्था और सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दी गई। अंबेडकर ग्राम योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, नाली, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, विद्यालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विकास कराया गया। उन्होंने दावा किया कि बसपा सरकार ने लाखों युवाओं को स्थायी रोजगार उपलब्ध कराया तथा समाज के सभी वर्गों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कीं। मुख्य अतिथियों ने बहुजन महापुरुषों के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि आज समाज में जो जागरूकता और राजनीतिक भागीदारी दिखाई दे रही है, वह उनके त्याग और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में पूर्व राज्य मंत्री जगदीश प्रसाद प्रजापति, मंडल प्रभारी रविकांत मौर्य, धीरेन्द्र चौधरी, मुन्ना पाली, दीपक कुमार, रामसिंह कुशवाहा, मिथलेश पाल, मोहम्मद वाजिद हुसैन, संतोष राज वर्मा, शैलेंद्र शिरोमणि, जगजीवन अहिरवार, बृजभूषण कुशवाहा, कैलाश पाल, जयपाल अहिरवार, गगन बिहारी एड., राकेश कुशवाहा, अमित भारती, जयप्रकाश कुशवाहा, अनीश राइन, अमित वर्मा, झांसी जिलाध्यक्ष बी.डी. फूले, जालौन जिलाध्यक्ष बृजेश जाटव, ललितपुर जिलाध्यक्ष जानकी प्रसाद बौद्ध सहित तीनों जनपदों के अनेक विधानसभा प्रभारी, पदाधिकारी, मातृशक्ति की प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन दीपक कुमार ने किया, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जानकी प्रसाद बौद्ध ने की।

तालाबपुरा द्वितीय में नाला निर्माण का भूमि पूजन, वार्ड की समस्याओं का मौके पर किया निरीक्षण

» पालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनाली जैन अभिलाषा ने जलभराव,

» क्षतिग्रस्त सड़कों एवं सफाई व्यवस्था के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के समग्र विकास एवं नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनाली जैन अभिलाषा एवं वार्ड संख्या-21, मोहल्ला तालाबपुरा द्वितीय के पार्षद श्री रामकिंकर पटैरिया द्वारा बालाजी मंदिर से जल निगम की ओर बनने वाले नाला निर्माण कार्य का विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में लगातार कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए पालिका अध्यक्ष का पुष्पमालाओं से स्वागत करते हुए उनका अभिनंदन किया तथा नगर के विकास एवं जनसमस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशील कार्यशैली की सराहना की।

भूमि पूजन के पश्चात पालिका अध्यक्ष ने वार्ड का व्यापक भ्रमण कर नागरिकों से संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत जल निगम द्वारा पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई गलियां एवं सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे विशेषकर बरसात के मौसम में आवागमन बाधित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूली बच्चों, बुजुर्गों एवं आम नागरिकों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पालिका अध्यक्ष ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल निगम को पत्र प्रेषित कर क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराई जाए, जिससे नागरिकों को राहत मिल सके और आवागमन सुगम बनाया जा सके। इसके उपरांत अध्यक्ष ने वार्ड की उन गलियों का निरीक्षण किया जहाँ बरसात के दौरान नाले के ओवरफ्लो होने से जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न होती है। निरीक्षण में पाया गया कि नाले में अत्यधिक सिल्ट जमा होने के कारण जल निकासी प्रभावित हो रही है। इस पर उन्होंने संबंधित सफाई निरीक्षक को तत्काल चेन स्केलेटर मशीन के माध्यम से नाले की सिल्ट सफाई कराने के निर्देश दिए, ताकि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। भ्रमण के दौरान पालिका अध्यक्ष ने सीतापाठ के समीप स्थित उत्सव गार्डन वाली गली तथा सीतापाठ मंदिर के बगल में स्थित शंकर मंदिर क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। स्थानीय नागरिकों ने सड़क निर्माण सहित अन्य आवश्यक विकास कार्यों की मांग रखी। समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष ने मौके पर उपस्थित संबंधित अवर अभियंता को आवश्यक सर्वेक्षण कर शीघ्र सड़क निर्माण का विस्तृत प्राक्कलन (स्टीमेट) तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कर शीघ्र प्रारंभ कराया जा सके। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड का संतुलित विकास, नागरिकों की मूलभूत समस्याओं का त्वरित समाधान तथा बेहतर आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक कार्य को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए, जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस दौरान वार्ड पार्षद श्री रामकिंकर पटैरिया, अवर अभियंता निधि पाण्डेय, स्वास्थ्य नायक, पत्रकार आशीष तिवारी, बद्री कुशवाहा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

समरसता संकल्प अभियान.....

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिले के तालबेहट मंडल भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पार्टी के उच्च नेतृत्व के निर्देश पर चल रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की छै सौ पचासवीं जयंती महोत्सव मनाये जाने के अवसर पर तालबेहट में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए ।

जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत के नेतृत्व में और सदर विधायक रामरतन कुशवाहा के संयोजन में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के गोवर्धन वाराणसी से आयी हुई पवित्र मिट्टी के कलशों की पवित्र कलश बन्दन शोभायात्रा तालाब स्थित श्री हजारिया महादेव मंदिर से प्रारम्भ हुई। शोभायात्रा प्रारंभ होने के पूर्व संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के चित्र का पूजन, माल्यार्पण किया गया।इस अवसर महिला मोर्चा एवं भजन मंडलियों और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के लिखित भजन गाकर घंटों कीर्तन हुआ तत्पश्चात यात्रा शुरू हुई।यह यात्रा इसके पश्चात पंथ कोरी समाज मंदिर,डाक बंगला मंदिर,श्री वाल्मीकि मंदिर,से होती हुई श्री महिरावन माता मंदिर पर समापन हुई।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव से महापुरुषों का सम्मान करती रही है इसके पूर्व हम लोग अन्य महापुरुषों की जन्म शताब्दी मना चुके हैं ऐसे ही इस बर्ष सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की स्मृति में उनके छै सौ पचासवीं जन्मजयंती के अवसर पर जन्मोत्सव मना रहे हैं जिसके पहले क्रम में पवित्र कलश बन्दन शोभायात्रा निकाली जा रहीं हैं। उन्होंने कहा कि उच्च नेतृत्व के निर्देश पर हम लोग इन यात्राओं को सर्वव्यापी के साथ सर्वस्पर्शी बनाने का कार्य भी कर रहे हैं। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने कहा कि इन यात्राओं के पूर्व जहां से भी शोभायात्रा शुरू होने बाली है उस जगह हम सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज जी के लिखे पद एवं भजन गाकर कीर्तन करते हैं इसके बाद सन्त शिरोमणि के पूजन अर्चन के बाद शोभायात्रा शुरू की जाती है उन्होंने कहा कि सन्त शिरोमणि, भक्त कवि मीराबाई के गुरु थे एवं पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब में भी इनकी सैकड़ों रचनाएं संग्रहित हैं।हम लोग सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के पवित्र जीवन परिचय से आमजन को भी विस्तार से परिचित कराने का कार्य करेंगे। पवित्र कलश वन्दन शोभायात्रा के इस अवसर पर सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के जयकारों से सारा नगर गुंजायमान हो उठा और हर जगह यात्रा का नागरिकों और विभिन्न संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया।

सपा कार्यालय पर नव नियुक्त पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की पीडीए कार्यशाला में विधानसभा चुनाव में जुटने का लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर पिछड़ा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में पीडीए कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह राजपूत ने की। जहां मुख्य अतिथि के रूप में सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव एवं विशिष्ठ अतिथि के तौर पर पूर्व जिलाध्यक्ष ज्योति सिंह लोधी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव इखलाक मंसूरी ने की। इस मौके पर नव नियुक्त पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में जी जान से जुटने का आवाहन किया। इस मौके पर पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव शत्रुघन यादव, प्रदेश सचिव महेन्द्र झा सहित अनेक पदाधिकारियों का फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस दौरान प्रदेश सचिव मेघनाद खंगार, व्यापार सभा के प्रदेश सचिव जितेन्द्र सलूजा, महिला सभा प्रदेश सचिव गीता मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष ज्योति सिंह लोधी, जिला उपाध्यक्ष मो. अनवर खान, भजन लाल कुशवाहा, जिला कोषाध्यक्ष रोहित राठौर, जिला सचिव रामदास श्रोती, यूथ बिग्रेड जिलाध्यक्ष हृदेश यादव मुखिया, लाखन यादव, युवजन सभा जिलाध्यक्ष अरशद मंसूरी, छात्र सभा जिलाध्यक्ष गौरव विश्वकर्मा, अमन मंसूरी, राजेश झा, दीपक सेन, मनोज विश्वकर्मा, मूरत सिंह यादव, शाबिर मंसूरी, राजेश यादव, चंद्रपालयादव, दीपेश यादव, विशाल विश्वकर्मा, भगत सेन, ब्रजेश यादव, शेर सिंह यादव, राघवेन्द्र यादव, सत्येन्द्र लोधी, महेन्द्र झा, अवध झा, भगवानदास झा, राजाबाबू यादव, राकेश झा, तिलक सिंह, बलराम अहिरवार, राहुल मरौली, राहुल गंगासागर आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

गर्भवती महिला की मौत के बाद ससुराल में बवाल, पथराव में कई लोग घायल

फिरोजाबाद। गांव मोहम्मदाबाद में प्रसव के बाद एक विवाहिता की मृत्यु के बाद मायका पक्ष के लोगों ने ससुराल पहुंचकर जमकर हंगामा, मारपीट और पथराव किया। इस घटना से गांव में अफरातफरी मच गई और शोक व्यक्त करने आए ग्रामीणों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। हमले में गांव की दो महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए। मोहम्मदाबाद निवासी सतेंद्र की शादी तीन वर्ष पूर्व छारबाग, फिरोजाबाद निवासी 22 वर्षीय रजनी के साथ हुई थी। देखरेख के लिए पति लगभग 15 दिन पहले गर्भवती पत्नी को उसके मायके छोड़ आया था। गुरुवार को प्रसव पीड़ा होने पर स्वजन ने उसे फिरोजाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां ऑपरेशन से उसने एक कन्या को जन्म दिया। नवजात की हालत ठीक है, लेकिन रजनी की तबीयत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे आगरा रेफर कर दिया। शुक्रवार को आगरा ले जाते समय रास्ते में उसकी मृत्यु हो गई। महिला की मृत्यु से आक्रोशित मायके वाले सुबह 10 बजे शव लेकर सीधे उसकी ससुराल गांव मोहम्मदाबाद पहुंच गए और आते ही लाठी-डंडों से हमला बोलते हुए ईंट-पत्थर बरसाने शुरू कर दिए।

मैनपुरी के दो मोबाइल लुटेरे पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

फिरोजाबाद। राहगीरों से मोबाइल लूटने वाले मैनपुरी के दो लुटेरों को पुलिस ने गुरुवार रात 12.15 बजे मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक लुटेरा पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसे फिरोजाबाद के सरकारी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। लुटेरों के पास से राइडर बाइक, पांच मोबाइल फोन, सात हजार रुपये और तमंचा बरामद हुआ है। शिकोहाबाद इंस्पेक्टर अनुज कुमार ने बताया कि पिछले दिनों भारत गैस गोदाम, एटा रोड के पास और सुभाष तिराहा से दो लोगों से मोबाइल लूट की वारदात हुई थी। पुलिस लुटेरों की तलाश में थी। देर रात जानकारी मिली कि वारदात करने वाले दो लुटेरे पुरातन रोड स्थित कोल्ड स्टोर के पास किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस पर पुलिस टीम ने वहां वाहन चेकिंग शुरू कर दी। इस दौरान बाइक पर आए दो संदिग्ध युवकों को रोकने का प्रयास किया तो वे बाइक मोड़ कर भागने लगे। इस दौरान बाइक फिसल कर गिर गई। इस बीच एक युवक ने पुलिस पर फायर कर दिया पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक के पैर में गोली लग गई।

तेज़ी से बढ़ रहा 'ईट राइट इंडिया' अभियान अस्पताल, स्कूल में बनेंगे सुरक्षित भोजन के केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निर्देशन और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय चंदन पांडेय के नेतृत्व में जिले में 'ईट राइट इंडिया' अभियान तेजी से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत अस्पतालों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, जिला कारागार और प्रमुख धार्मिक स्थलों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। जल्द ही भारत सरकार की टीम जिले में पहुंचकर अभियान का निरीक्षण करेगी। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा स्कूलों, अस्पतालों, विश्वविद्यालयों की कैंटीन, जिला जेल की रसोई और प्रमुख धार्मिक स्थलों का प्रमाणीकरण कराया जा रहा है। अब तक जिले के सात संस्थानों को 'ईट राइट कैंपस' का प्रमाणपत्र मिल चुका है। इनमें पुलिस लाइन मेस, एफएस विश्वविद्यालय, एफएच मेडिकल कॉलेज, स्वशासी मेडिकल कॉलेज, ट्रॉमा सेंटर फिरोजाबाद, सेवार्थ संस्थान टूंडला और क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान शामिल हैं।

15 विद्यालय प्रमाणन की प्रक्रिया में

अभियान के तहत विद्यालयों की रसोई और छात्रावास की मेस में स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य सामग्री, उचित भंडारण तथा भोजन तैयार करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया पर जोर दिया जा रहा है। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय दबरई और कंपोजिट स्कूल दबरई को 'ईट राइट स्कूल' के रूप में विकसित किया जा रहा है। वहीं जिले के 15 अन्य विद्यालय प्रमाणन की प्रक्रिया में हैं। जवाहर नवोदय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और आश्रम पद्धति विद्यालयों को भी अभियान से जोड़ने की तैयारी है।

अस्पतालों में भोजन की गुणवत्ता पर जोर

अस्पतालों में मरीजों और तीमारदारों को सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए रसोई की स्वच्छता और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एफएच मेडिकल कॉलेज, स्वशासी मेडिकल कॉलेज, ट्रॉमा सेंटर और सेवार्थ संस्थान इस दिशा में कार्य कर रहे हैं।

जेल और धार्मिक स्थलों तक होगा विस्तार

जिला कारागार को भी 'ईट राइट कैंपस' के रूप में विकसित करने की तैयारी है। जेल की रसोई में साफ-सफाई, खाद्य सामग्री का सुरक्षित भंडारण और भोजन तैयार करने की स्वच्छ प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर प्रसाद, भंडारा और लंगर में इस्तेमाल होने वाली खाद्य सामग्री, पेयजल और भोजन वितरण की स्वच्छता पर भी ध्यान दिया जाएगा। सहायक आयुक्त चंदन पांडेय ने बताया कि अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक संस्थानों को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों से जोड़कर लोगों को सुरक्षित, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि अभियान से स्वस्थ खान-पान की आदतों को भी बढ़ावा मिलेगा। अभियान को सफल बनाने में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. तूलिका शर्मा सहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद वर्मा, जितेंद्र कुमार सिंह, डॉ. मनोज कुमार और डॉ. अनिल यादव समेत विभागीय टीम सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

तिवारीपुर में 72 घंटे से जलभराव, ढाई फीट पानी में फंसे ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। नरवल तहसील क्षेत्र के तिवारी पुर गांव में पिछले करीब 72 घंटे से रूक रूक कर बारिश से भीषण जलभराव की समस्या बन गई, गांव की मुख्य सड़क और गलियों में करीब ढाई फीट तक पानी भरा होने से ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हुआ,, शुक्रवार को भी ग्रामीण गंदे पानी के बीच से होकर आने जाने को मजबूर रहें, बड़ागांव, दलपतपुर, पूरनपुर,समेत कई गांवों को हाइवे से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर पानी भरा हैं, जलभराव के कारण स्कूली बच्चों को स्कूल जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है,, वहीं किसान और मजदूर भी रोजमर्रा के जरूरी कामों के लिए गंदे पानी से गुजरने को विवश हैं,, ग्रामीणों के अनुसार संतोष,लाखन, सुरेंद्र,राधे समेत 40 से 50 घरों में पानी घुस गया है ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के नाले लंबे समय से सिल्ट और गंदगी से बंद पड़े हैं। जिसके कारण बारिश के पानी की निकासी नहीं हो पाती,हर साल यही स्थिति बनी रहती हैजिससे घरों में पानी भर जाता है जिससे गंभीर बीमारियों का ख़तरा बढ़ जाता है, ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम प्रधान से भी शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल नालों की सफाई और जल निकासी की उचित व्यवस्था कराने की मांग की हैं,,इस संबंध में एसडीएम नरवल सत्य पाल प्रजापति ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं, उन्होंने आश्वासन दिया कि जल निकासी की तत्काल व्यवस्था कराई जाए

टूण्डला जंक्शन पर अयोध्या वंदे भारत के ठहराव की मांग तेज

केंद्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- टूण्डला जंक्शन पर नई दिल्ली-अयोध्या धाम वंदे भारत एक्सप्रेस (22425/22426) के नियमित ठहराव की मांग ने जोर पकड़ लिया है। केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर जनहित में इस ट्रेन का टूण्डला जंक्शन पर ठहराव सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है। अपने पत्र में प्रो. बघेल ने कहा है कि टूण्डला जंक्शन उत्तर मध्य रेलवे का प्रमुख रेलवे स्टेशन होने के साथ-साथ आगरा मंडल का अत्यंत महत्वपूर्ण रेल केंद्र है। आगरा सहित आसपास के क्षेत्रों की डेढ़ करोड़ की आबादी इस स्टेशन पर निर्भर है। इसके अलावा फिरोजाबाद, हाथरस, एटा, कासगंज, मथुरा तथा राजस्थान के धौलपुर और भरतपुर के यात्री भी रेल यात्रा के लिए मुख्य रूप से टूंडला जंक्शन का उपयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम के दर्शन के लिए यात्रा करते हैं। यदि नई दिल्ली-अयोध्या धाम वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव टूंडला जंक्शन पर दिया जाता है तो आगरा मंडल और पूरे ब्रज क्षेत्र के यात्रियों को तेज, सुविधाजनक और समय की बचत करने वाली यात्रा का लाभ मिलेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने रेल मंत्री से जनहित और श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अयोध्या वंदे भारत एक्सप्रेस (22425/22426) का टूंडला जंक्शन पर नियमित ठहराव स्वीकृत करने की मांग की है। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें रेलवे मंत्रालय के फैसले पर टिकी हैं। आपको बता दें की नगर के वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी हेमंत उपाध्याय के द्वारा केंद्रीय राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल से इस ट्रेन के ठहराव को लेकर पत्राचार किया गया था।

भारत माता चौक के सौंदर्यीकरण को लेकर नामित सभासद महेन्द्र कुमार झा ने ईओ को दिए प्रस्ताव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला - नगर पालिका परिषद टूण्डला के नामित सभासद महेन्द्र कुमार झा ने नगर के प्रमुख स्थल भारत माता चौक के सौंदर्यीकरण एवं रखरखाव को लेकर नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी (ईओ) को तीन सूत्रीय प्रस्ताव दिया। उन्होंने मांग की कि भारत माता चौक को 15 अगस्त से पहले व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाया जाए, ताकि नगर की पहचान और भी बेहतर हो सके। प्रस्ताव में महेन्द्र कुमार झा ने कहा कि भारत माता चौक नगर का प्रमुख एवं ऐतिहासिक स्थल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थल की नियमित देखभाल और सौंदर्यीकरण आवश्यक है। उन्होंने अपने पहली प्रस्ताव में भारत माता की प्रतिमा का रंग-रोगन (कलर) कराकर उसे नए स्वरूप में तैयार कराने की बात कही। दूसरे प्रस्ताव के तहत चौक पर लगी पुरानी एवं क्षतिग्रस्त रेलिंग को हटाकर नई और मजबूत रेलिंग लगाए जाने की मांग की गई। वहीं तीसरे प्रस्ताव में चौक पर पर्याप्त एवं आकर्षक प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग) कराने की मांग की गई, जिससे रात्रि के समय चौक की सुंदरता बढ़ने के साथ-साथ लोगों को सुविधा और सुरक्षा भी मिल सके। नामित सभासद महेन्द्र कुमार झा ने कहा कि यदि इन प्रस्ताव को शीघ्र पूरा किया जाता है तो भारत माता चौक की भव्यता बढ़ेगी और नगरवासियों को एक स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होगा। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से जनहित को देखते हुए तीनों मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नगर पालिका परिषद जनभावनाओं का सम्मान करते हुए भारत माता चौक के सौंदर्यीकरण के लिए आवश्यक कदम जल्द उठाएगी।

दो कारों में 218 किलो गांजा पकड़ा

कानपुर। कानपुर में गांजा तस्करी का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है। पुलिस के एक्शन के बावजूद एक के बाद एक तस्कर और भारी मात्रा में गांजा की तस्करी सामने आ रही है। ऐसा ही मामला शुक्रवार को भी सामने आया। पुलिस टीम ने ओडिशा से दो कारों में गांजा लेकर दूसरे शहरों में सप्लाई करने जा रहे दो तस्करों को बिधनू और सेन पश्चिम पारा क्षेत्र में पकड़ा। उनकी कारों से 218 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपित के मोबाइल से गिरोह के सरगना की कई वाट्सएप पर वाइस रिकार्डिंग मिली, जिसमें सरगना तस्करों को माल लेकर कहां-कहां सप्लाई करना है। इसकी जानकारी दे रहा है। एडीसीपी आपरेशन और साउथ सुमित सुधाकर रामटेके की टीम ने गुरुवार देर रात सेन पश्चिम पारा और बिधनू थाना क्षेत्र में स्विफ्ट और हांडा सिटी कार से दो तस्करों को गिरफ्तार किया। उन्होंने अपने नाम शिवम और रोहित बताए। उनकी कारों से 218 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसे ओडिशा से लाकर कानपुर, प्रतापगढ़ समेत शहरों में सप्लाई करने जा रहे थे।

युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें : जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद - पालिवाल हॉल में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं सदर विधायक मनीष असीजा की उपस्थिति में हितधारकों एवं कार्यान्वयन विभाग के अधिकारियों के लिए एमएसएमई योजनाओं पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद जनपद ग्लास सिटी और बैंगल सिटी के रूप में देशभर में अपनी पहचान रखता है, जो द्वितीयक क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का विजन है कि युवा केवल रोजगार मांगने वाले न बनें, बल्कि स्वयं उद्यम स्थापित कर दूसरों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले बनें। उन्होंने कहा कि युवाओं को जॉब सीकर नहीं, जॉब प्रोवाइडर बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना को सरकार की महत्वपूर्ण योजना बताते हुए कहा कि इसके अंतर्गत पात्र युवाओं को बिना किसी गारंटी के 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से योजना का शत-प्रतिशत लाभ सभी पात्र आवेदकों तक पहुंचाया जाएगा। सदर विधायक मनीष असीजा ने कहा कि सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन और उद्योग विभाग लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें बैंक प्रबंधकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बैंक अधिकारियों से अपील की कि युवा उद्यमियों को बार-बार बैंकों के चक्कर न लगाने पड़ें और समयबद्ध तरीके से उन्हें योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन योजनाओं से लाभान्वित होकर जनपद के युवा आत्मनिर्भर बनेंगे और अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराएंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत योगेश कुमार, विनय यादव, आशीष कुमार एवं आकांक्षा अग्रवाल को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। वहीं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत पंकज कुमार, जगत सिंह, अजय कांत, राकेश यादव एवं प्रमोद कुमार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग संध्या सहित उद्योग विभाग के अधिकारी, उद्यमी एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

बिधनू थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस की चेकिंग के दौरान 219 किग्रा गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना बिधनू क्षेत्र अंतर्गत गुरूवार देर रात दो अंतर्जनपदीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया,, पुलिस ने दोनों के कब्जे से करीब 219 किग्रा गांजा बरामद किया है। आरोपियों ने दो कारों की डिग्गी में गांजा छिपा रखा था। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि गांजा ओडिशा से लाकर चित्रकूट और आसपास के जिलों में सप्लाई करने ले जा रहे थे,,अब पुलिस पूरे सिंडीकेट का खुलासा करने के लिए जांच पड़ताल में जुटी है। यह कार्य वाई बिधनू थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान की,, कानपुर एडीसीपी साऊथ सुमित रामटेके की टीम और घाटमपुर एसीपी कृष्ण कांत यादव की निगरानी में आपरेशन व्हाइट पाउडर,,के तहत् यह कार्य वाई की गई,, पुलिस के अनुसार बिधनू थाना क्षेत्र में पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी,,इसी दौरान दो कारों को रोक कर तलाशी ली गई,इसी दौरान दोनों कारों में भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया बरामदे गांजे का बजन 219 किलों बताया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि गांजा ओडिशा से लाया गया है इसे चित्रकूट और आसपास के जिलों में अलग अलग स्थानों पर सप्लाई किया जाना था, पुलिस अब यह पता लगानें में जुटीं हैं कि गांजा तस्करी के इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं,और नशीली पदार्थ की खेप किसके इशारे पर मंगाई जा रहीं हैं। सभी बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है। जिससे पूरे नेक्सेस की कमर तोड़ी जा सके,, कानपुर एडीसीपी साऊथ सुमित रामटेके ने बताया कि गांजा तस्कर पुलिस से बचने के लिए अलग-अलग गाड़ियों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उसके बाद सर्विलांस टीम ओडिशा से कानपुर की ओर आने वाले संदिग्ध वाहनों और नंबरों की निगरानी कर रही है इसी के आधार पर पुलिस को तस्करों तक पहुंचने में सफलता मिली, दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है,, दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजने की कार्रवाई की जाएंगी।

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की पहचान तेज

कानपुर। कानपुर में गरीबी उन्मूलन को लक्ष्य बनाकर शुरू की गई जीरो पावर्टी योजना अब जमीनी स्तर पर अमल में आ गई है। योजना के तहत ऐसे परिवारों की पहचान की जा रही है जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन कर रहे हैं। इन परिवारों को अलग-अलग विभागों की योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। योजना के क्रियान्वयन के लिए जिला विकास अधिकारी आत्मराम रस्तोगी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई है। पूरे अभियान की निगरानी मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अभिनव जे. जैन कर रहे हैं। टीम गांव-गांव पहुंचकर पात्र परिवारों का सत्यापन कर रही है, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को ही योजना का लाभ मिल सके। प्रशासन ने शुरुआती चरण में जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत से 25-25 गरीब परिवारों का चयन किया है। इस प्रक्रिया में अब तक 14,750 परिवारों को चिन्हित किया जा चुका है।

60 साल पुराने आयुर्वेदिक अस्पताल को नहीं मिल रही 5 एकड़ जमीन

बरेली। मरीजों का रुझान आयुर्वेद पर काफी बढ़ा है। इस कारण राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, लेकिन यहां से इलाज पाना मरीजों के लिए किसी जंग से कम नहीं है। 60 वर्ष से संचालित अस्पताल में जगह नहीं और यहां पहुंचना भी संकरी सड़क की वजह से काफी मुश्किल है। कई वर्ष से अस्पताल के नए भवन के लिए पांच एकड़ जमीन की तलाश की जा रही है, लेकिन मिल नहीं पा रही है। सिर्फ फाइल प्रशासन और शासन के बीच घूम रही है। कुछ दिनों पूर्व अस्पताल को यूनानी अस्पताल में शिफ्ट करने की योजना बनी, लेकिन आगे नहीं बढ़ सकी। बासमंडी में स्थापित एसआरएम राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज वर्ष 1966 से संचालित हो रहा है। इसका भवन इससे भी पूर्व का बना हुआ है, क्योंकि पहले यहां पर ट्रस्ट की ओर से अस्पताल का संचालन होता था। अस्पताल में 14 विभाग हैं, जिनमें 32 डॉक्टर और 100 स्टाफ हैं। यहां पर दो सौ से अधिक बीएएमएस के छात्र अध्ययन कर रहे हैं। अस्पताल में पहले मरीज कम आते थे, लेकिन अब 350 से 400 मरीज पहुंचते हैं। जगह की कमी की वजह से सिर्फ एक पर्चा काउंटर है, जहां लंबी लाइन लगती है। दवा काउंटर पर भी जगह न होने की वजह से मरीजों को परेशानी होती है। डॉक्टरों की ओपीडी कक्ष में भी अधिक मरीज आने पर बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिलता है। सबसे बड़ी बात है कि अस्पताल में पहुंचना मुश्किल है। श्यामतगंज और कुतुबखाना के रास्ते अस्पताल में पहुंचा जा सकता है। यह रास्ता काफी संकरा है। बमुश्किल बाइक निकलती है। कार और ई-रिक्शा जाकर फंस जाते हैं। यही वजह है कि अधिकांश डाक्टर भी बाइक से ही आते हैं और उन्हें छात्रावास में खड़ी करते हैं। अस्पताल में वाहनों की पार्किंग की जगह नहीं है और बाहर खड़े करने पर जाम लगता है।

आला हजरत उर्स में लाखों जायरीनों ने एक साथ अदा की जुमे की नमाज

बरेली। आला हजरत के सालाना उर्स के दूसरे दिन अकीदतमंदों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। देश और विदेश के कोने-कोने से पहुंचे लाखों जायरीनों के कारण शहर में चारों तरफ अकीदत का माहौल नजर आया। उर्स का दूसरा दिन होने और साथ में जुमे का मुबारक दिन होने के चलते जायरीनों की संख्या में भारी इजाफा दर्ज किया गया। दोपहर के समय उर्स के मुख्य स्टेज के सामने मैदान में देश-विदेश से आए लाखों लोगों ने एक साथ जुमे की नमाज अदा की। मौसम के मिजाज और हल्की बारिश के कारण मैदान की जमीन और बिछे हुए कारपेट कीचड़ से सन चुके थे, लेकिन जायरीनों के जज्बे और अकीदत के आगे यह रुकावटें कम पड़ गईं। अकीदतमंदों ने कीचड़ की परवाह न करते हुए गीली जमीन पर प्लास्टिक की चादरें बिछाईं और उस पर पूरी मुस्तैदी के साथ नमाज अदा की। मैदान में अलग-अलग हिस्सों में बैठे लोग एक साथ इबादत करते रहे। इस दौरान मैदान में जायरीनों के आने-जाने और चरणबद्ध तरीके से नमाज पढ़ने का सिलसिला काफी देर तक अनवरत चलता रहा। नमाज के बाद आला हजरत दरगाह और ताजुश्शरिया दरगाह पर मन्नतें मांगने और दुआएं करने का दौर जारी रहा। लोगों ने दरगाहों पर जाकर बड़े पैमाने पर गुलपोशी की और चादरें पेश कीं।

मंदिर की सुरक्षा को लेकर हिन्दू रक्षा दल का प्रदर्शन, पुलिस आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर नगर। हिन्दू रक्षा दल के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रीना मिश्रा के नेतृत्व में कानपुर पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि थाना कल्याणपुर क्षेत्र में स्थित लगभग दस वर्ष पुराने सार्वजनिक मंदिर को गिराने की धमकियां दी जा रही हैं तथा शिकायतकर्ता और उनके परिवार को लगातार डराने-धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। संगठन ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में रीना मिश्रा ने आरोप लगाया कि उनके पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति, जो स्वयं को सीआरपीएफ का सेवानिवृत्त अधिकारी बताता है, सार्वजनिक पार्क में बने मंदिर को हटाने की बात कहता रहा है। उनके अनुसार यह मंदिर स्थानीय लोगों के सहयोग और आस्था का प्रतीक है तथा पिछले लगभग दस वर्षों से क्षेत्र के श्रद्धालुओं की पूजा-अर्चना का केंद्र बना हुआ है। रीना मिश्रा ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें कई बार अभद्र व्यवहार, मारपीट तथा जान से मारने की धमकियों का सामना करना पड़ा है। उनका कहना है कि इन घटनाओं से संबंधित ऑडियो एवं वीडियो साक्ष्य उपलब्ध हैं, जिन्हें पुलिस को सौंपे जाने का उल्लेख ज्ञापन में किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में दर्ज मुकदमे में अंतिम रिपोर्ट (एफआर) लगा दी गई थी तथा शिकायतों पर केवल शांति व्यवस्था संबंधी कार्रवाई होने से उन्हें न्याय नहीं मिल सका। हिन्दू रक्षा दल के पदाधिकारियों ने मांग की कि पूरे मामले की जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी से कराई जाए, उपलब्ध ऑडियो-वीडियो साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच की जाए, शिकायतकर्ता एवं उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए तथा यदि आरोप सही पाए जाएं तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान हिन्दू रक्षा दल के जिला अध्यक्ष नीरज निश्चल श्रीवास्तव, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रीना मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष आलोक भदौरिया, कोषाध्यक्ष दिनेश सिसोदिया, मंत्री कामता तिवारी, वरिष्ठ मंत्री मृत्युंजय हिन्दुवादी, श्रवण कुमार, विशाल पाल सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

डुमरियागंज में अनियंत्रित डंपर ने बाइक सवार को टक्कर मारी, मौके पर ही हुई मौत

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज थाना क्षेत्र के पड़िया चौराहे पर शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। अनियंत्रित डंपर ने बाइक को टक्कर मारने के बाद युवक को रौंद दिया। मृतक की पहचान सुनील कुमार मिश्रा (42) पुत्र त्रियुगी नारायण मिश्रा) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बलरामपुर जिले के उतरौला थाना क्षेत्र के मलमलिया गांव के निवासी थे और वर्तमान में त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के गोपिया गांव स्थित अपनी ससुराल में रह रहे थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा, स्थानीय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हैंडपंप महीनों से खराब, मरम्मत कराने की मांग

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। विकास खंड भनवापुर के ग्राम पंचायत नावडीह स्थित श्मशान घाट पर लगा हैंडपंप कई महीनों से खराब पड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंतिम संस्कार के दौरान शव को स्नान कराने, मुखाग्नि देने वाले व्यक्ति के स्नान तथा अन्य लोगों के हाथ-मुंह धोने के लिए पानी की आवश्यकता होती है, लेकिन हैंडपंप खराब होने के कारण उन्हें इधर-उधर से पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि हैंडपंप का हैंडल (चेन) टूटने के बाद से इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। पूरे गर्मी के मौसम में भी यह खराब पड़ा रहा, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और ग्राम पंचायत की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीण जनक प्रसाद चौधरी, धर्म प्रकाश चौधरी, झीन सोनी, रामदीन मौर्य, श्यामलाल गौतम,धनीराम गौतम, रामकुमार वरुण, अजय गुप्ता, नारद सहित अन्य लोगों ने जिम्मेदारी अधिकारयों से खराब हैंडपंप को अविलंब मरम्मत कराकर पेयजल व्यवस्था शुरू कराने की मांग की है। इस संबन्ध में खंड विकास अधिकारी विनोद मणि त्रिपाठी का कहना है कि ग्राम पंचायत सचिव को निर्देश कर अविलंब हेंडपंप को ठीक कराया जाएगा।

अलीगढ़ को स्मार्ट सिटी बनाने में 970 करोड़ खर्च, धंस रहीं हैं नई बनी सड़कें

अलीगढ़। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत शहर में कराए गए करीब 970 करोड़ रुपये के विकास कार्य अब जांच के दायरे में आ गए हैं। कोल विधायक अनिल पाराशर की शिकायत पर शासन ने पूरे प्रकरण पर रिपोर्ट तलब की है। स्मार्ट सिटी मिशन के राज्य मिशन निदेशक प्रवीण कुमार लक्षकार ने मंडलायुक्त संगीता सिंह से सभी कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता व सरकारी धन के उपयोग की जांच कराकर स्पष्ट आख्या भेजने के निर्देश दिए हैं। इससे स्मार्ट सिटी के तहत कराए गए निर्माण कार्यों पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। राज्य मिशन निदेशक की ओर से मंडलायुक्त को भेजे गए पत्र में कहा है कि नगर विकास विभाग के उप सचिव के माध्यम से कोल विधायक की शिकायत प्राप्त हुई है।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में प्रतापगढ़ से सैकड़ों छात्र होंगे शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रयागराज केपी ग्राउंड में शनिवार को आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर प्रतापगढ़ जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और छात्रों के बीच उत्साह का माहौल है।जिला कांग्रेस कमेटी प्रतापगढ़ के अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि इस कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी प्रदेशभर से आने वाले छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद करेंगे।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम शनिवार को सायं 5 बजे प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आयोजित होगा, जहां राहुल गांधी शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और युवाओं के भविष्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर छात्रों से चर्चा करेंगे।उन्होंने बताया कि प्रतापगढ़ जनपद से इस कार्यक्रम के लिए हजारों छात्र-छात्राओं ने अपना पंजीकरण कराया है। जिले से बड़ी संख्या में छात्र, युवा और कांग्रेस कार्यकर्ता प्रयागराज पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके लिए सामूहिक रूप से यात्रा की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में शामिल हो सकें। जिला प्रवक्ता मासूम हैदर एवं कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी ने संयुक्त रूप से कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक, बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों ने छात्रों को अपनी आवाज उठाने के लिए मजबूर किया है। उनका कहना है कि 'छात्रों की गूंज' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शिक्षा में पारदर्शिता, निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया और युवाओं के अधिकारों की मांग को लेकर चलाया जा रहा एक व्यापक अभियान है। जिला उपाध्यक्ष राम शिरोमणि वर्मा एवं मनरेगा प्रभारी रवि भूषण सिन्हा ने संयुक्त रूप से कहा कि जनपद के सभी छात्र-छात्राओं, युवाओं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं, एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और कांग्रेस के सभी अग्रिम संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में प्रयागराज पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

अमरगढ़ कोट में लूट करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा थाना अंतर्गत अमरगढ़ कोट में नकाबपोश बदमाशों ने 2 अगस्त को वादिनी को घर में बंधक बनाकर लाखों के गहने समेट ले गए।पुलिस ने सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत कर बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु विशेष टीम गठित कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया।विशेष टीम प्रभारी अमित चौरसिया मय हमराह ने मुखबिर खास व सर्विलांस सेल की मदद से लूट घटना का सफल अनावरण करते हुए आरोपी मोहित सिंह पुत्र दिनेश सिंह निवासी कटार गोडे गांव चिलबिला नगर कोतवाली,रजनीश पटेल पुत्र स्व जीतलाल निवासी मेहदिया थाना कंधई,गोविंद सिंह पुत्र सुरेश बहादुर सिंह निवासी गोडे गांव चिलबिला नगर कोतवाली,डब्लू वर्मा पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासी पड़री मुश्तर्का थाना कंधई को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से लूट के सोने के कंगन, सोने की 4 अंगूठी,2 जोड़ी कान के टप,2 जोड़ी कान का झुमका,1 मांग टिका,2 जोड़ी सोने की बाली,1 चेन व लाकेट और चांदी की 1 कमरपेटी,1 कमर का छल्ला,5 जोड़ी पायल,17 नग पैर की बिछिया,1 चांदी का गिलास,1 थाली,1 छोटी प्लेट,1 छोटी कटोरी,1 चम्मच व मन्दिर सजावट के लिए दो चांदी के झूमर बरामद कर मुकदमे में सुसंगत धारा बढ़ोत्तरी कर जिला कारागार के लिए भेज दिया है।

भाजपा कार्यकर्ता पिटाई प्रकरण में कार्रवाई, त्रिलोकपुर के नायब दरोगा निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाने में तैनात नायब दारोगा विशेश्वर प्रसाद को भाजपा कार्यकर्ता से कथित अभद्रता व मारपीट के आरोप में एसएसपी डा. अभिषेक महाजन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई पुलिस क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई। निलंबन आदेश में उप निरीक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी प्रस्तावित होने की बात कही गई है। घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी। पूर्व मंत्री डा. सतीश द्विवेदी का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें उन्होंने कार्रवाई नहीं होने पर त्रिलोकपुर थाने में धरने पर बैठने की चेतावनी दी थी।

बताया जाता है कि बेव मुस्तहकम निवासी भाजपा कार्यकर्ता गुलशन कश्यप को किसी विवाद के सिलसिले में थाने बुलाया गया था। आरोप है कि इसी दौरान नायब दारोगा ने उनके साथ मारपीट की। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई। कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर अकारण पिटाई और मनमानी का आरोप लगाते हुए विरोध शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री डा. सतीश द्विवेदी समर्थकों के साथ त्रिलोकपुर थाने पहुंचे। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन से स्पीकर फोन पर बातचीत करते हुए तत्काल निलंबन की मांग की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जांच पूरी होने का इंतजार नहीं करेंगे और जब तक संबंधित दारोगा के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होगी, तब तक थाने में ही बैठे रहेंगे।

इसके बाद पुलिस महकमे में हलचल बढ़ गई। इसी बीच पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर उप निरीक्षक विशेश्वर प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया। आदेश में स्पष्ट किया गया कि प्रथम दृष्टया सामने आए तथ्यों के आधार पर विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। 'दो पक्षों के बीच विवाद था। दोनों को थाने बुलाकर समझौता कराया गया था। समझौते के दौरान एक पक्ष के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने की शिकायत मिली थी। जांच के बाद रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को भेजी गई, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई।- बृजेश कुमार वर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज

महुली हादसे के पीड़ित परिवार से मिलीं राज्य महिला आयोग की सदस्य, बंधाया ढांढस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम महुली में जर्जर मकान गिरने से हुई हृदयविदारक दुर्घटना को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने हादसे में प्रभावित परिवार के सदस्य अमन श्रीवास्तव व अन्य सम्बन्धित से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया तथा दुर्घटना में दिवंगत सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रतिभा कुशवाहा ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

इस दौरान महुली गांव के ग्रामीणों ने राज्य महिला आयोग की सदस्य से विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध में अवगत भी कराया जिस पर नायब तहसीलदार को निर्देशित किया कि गांव में जहां भी बिजली के जर्जर खंभे हैं, उन्हें विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र बदलवाया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि महुली गांव में जो तालाब खोदे गये है उन्हें निर्धारित मानकों के अनुसार दुरुस्त कराया जाए। राज्य महिला आयोग की सदस्य ने नायब तहसीलदार को यह भी निर्देश दिए कि गांव में जर्जर एवं रहने योग्य न रहे मकानों का सर्वे कराकर पात्र परिवारों को शासन की आवासीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इस दौरान स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, राजस्व विभाग के कर्मचारी एवं ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

अलीगढ़ में भौंकने पर पालतू कुत्ते की गोली मारकर की हत्या, आरोपी हुआ फरार

अलीगढ़। पालतू कुत्ते के भौंकने पर आगबबूला हुए युवक ने लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग की। विरोध करने पर गृहस्वामी के बेटे को गोली मार दी। इसके बाद कुत्ते को भी गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद आरोपित फरार हो गया। गुरुवार शाम हुई घटना के बाद पुलिस आरोपित की तलाश में लगी है। विश्वप्रताप उर्फ विस्सू ने जंगल में फार्म हाउस बना रखा है। गुरुवार शाम वह बाइक पर गांव से फार्म हाउस जा रहा था। हरिओम शर्मा के घर के बाहर पहुंचने पर उनका पालतू कुत्ता भौंकने लगा। इससे विस्सू भड़क गया और गाली देने लगा। हरिओम के पुत्र विकास ने समझाया तो आरोपित ने रिवाल्वर निकालकर फायरिंग की। विरोध करने पर विकास के दाएं पैर में गोली मार दी। कुत्ता भौंकने लगा तो आरोपित ने उसे भी गोली मार दी। कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपित रिवाल्वर लहराते हुए फरार हो गया। घायल विकास शर्मा को दीनदयाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

किसान बनकर पहुंचे उप कृषि निदेशक, ओवररेट पर यूरिया बेचने वाला विक्रेता रंगे हाथों पकड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद में किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश शासन एवं जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह ने शुक्रवार को तहसील पट्टी क्षेत्र के बंधवा बाजार स्थित उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक उर्वरक विक्रेता द्वारा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर यूरिया बेचने का मामला सामने आने पर उसके प्रतिष्ठान एवं गोदाम को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह अपने कार्यालय के कर्मचारी ध्रुव कुमार प्रजापति के साथ किसान बनकर मेसर्स मातासरन खाद बीज भंडार पहुंचे। उन्होंने विक्रेता से यूरिया उर्वरक खरीदने की इच्छा जताई, जिस पर विक्रेता ने प्रति बोरी यूरिया का मूल्य 340 रुपये बताया। इसके बाद उप कृषि निदेशक ने अपना वास्तविक परिचय देते हुए प्रतिष्ठान का विस्तृत निरीक्षण किया। जांच के दौरान अधिक मूल्य पर उर्वरक बिक्री की शिकायत सही पाई गई। साथ ही प्रतिष्ठान पर उपलब्ध उर्वरक का भौतिक स्टॉक पीओएस मशीन में दर्ज विवरण से अलग पाया गया। गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए संबंधित प्रतिष्ठान एवं गोदाम को मौके पर ही सील कर दिया गया।

कृषि विभाग की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अधिकांश उर्वरक विक्रेताओं ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए। ऐसे प्रतिष्ठानों को चिन्हित कर जिला कृषि अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा जा रहा है। उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि उर्वरकों की बिक्री शासन द्वारा निर्धारित मूल्य एवं नियमों के अनुरूप ही करें, ताकि किसानों को समय पर उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध हो सके और किसी प्रकार की कालाबाजारी की स्थिति उत्पन्न न हो।

एनसीएससी प्रोजेक्ट के सफल क्रियान्वयन हेतु विशेषज्ञों ने शिक्षकों को दी जानकारी

प्रोजेक्टक्रियान्वयन का बताया तरीका

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (NCSC) प्रोजेक्ट के सफल क्रियान्वयन एवं विद्यालयों के शत-प्रतिशत पंजीकरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शोहरतगढ़ ब्लॉक में एक अति आवश्यक आयोजन बीईओ शोहरतगढ़ संजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। बैठक में जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) आशीष मिश्रा, एनसीएससी जिला समन्वयक अंशुमान सिंह, एनसीएससी जिला सह-समन्वयक विष्णु त्रिपाठी एवं मारुति नंदन श्रीवास्तव सहित शोहरतगढ़ ब्लॉक के समस्त एआरपी, जूनियर एवं कंपोजिट विद्यालयों के प्रधानाध्यापक तथा शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विष्णु त्रिपाठी ने पीपीटी के माध्यम से एनसीएससी पोर्टल पर विद्यालयों एवं छात्र-छात्राओं के पंजीकरण की संपूर्ण प्रक्रिया का चरणबद्ध एवं विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। इसके उपरांत अंशुमान सिंह एवं मारुति नंदन श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक प्रश्नों का समाधान करते हुए उनकी शंकाओं का प्रभावी निराकरण किया।

प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों ने पंजीकरण के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं को साझा किया, जिनका विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। इस अवसर पर एनसीएससी जिला सह-समन्वयक मारुति नंदन श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मंच विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच, नवाचार क्षमता एवं शोध आधारित दृष्टिकोण को विकसित करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। इसके माध्यम से छात्र- छात्राएं अपनी वैज्ञानिक परियोजनाओं का प्रदर्शन करते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को पहचान दिला सकते हैं। बैठक के समापन पर खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार ने सभी विद्यालयों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित पंजीकरण पूर्ण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय समन्वित प्रयासों के साथ कार्य करते हुए इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाएं। बैठक में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं समस्याओं के समाधान की दृष्टि से प्रभावी बताया।

संदिग्ध हालात में आम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव

» पत्नी ने सास-देवर पर लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मियागंज (उन्नाव)। आसीवन थाना क्षेत्र के अनवर खेड़ा गांव में गुरुवार को एक युवक का शव गांव के बाहर आम के बाग में पेड़ से फंदे पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में मृतक की पत्नी ने सास और देवर पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक की पहचान मिन्नीलाल उर्फ राजू (32) पुत्र बालकराम निवासी अनवर खेड़ा के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने गांव से करीब 500 मीटर दूर कुरसठ निवासी शजर के आम के बाग में उसका शव रस्सी के सहारे पेड़ से लटका देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही आसीवन थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह और सीओ बांगरमऊ हर्ष मोदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

चोरी के आरोप के बाद तनाव में था युवक

परिजनों के अनुसार, मिन्नीलाल पर घर से जेवर चोरी करने का आरोप लगाया गया था। इस संबंध में उसकी मां शिवकुमारी ने पुलिस से शिकायत भी की थी। पुलिस ने पूछताछ के लिए उसे बुलाया था, लेकिन वह थाने नहीं पहुंचा और तभी से मानसिक तनाव में था। घटना के समय मृतक की पत्नी सुमन अपने मायके उदशाह गांव में थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सुमन ने सास और देवर पर पति की हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया। आरोपों के बाद मौके पर काफी देर तक हंगामा होता रहा। पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया।

चंडीगढ़ में करता था मजदूरी

बताया गया कि मिन्नीलाल पांच भाइयों और चार बहनों में सबसे छोटा था। वह परिवार के भरण-पोषण के लिए चंडीगढ़ में मजदूरी करता था और कुछ समय पहले ही गांव लौटा था। उसके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

अलीगढ़ का युवक बन गया हनीट्रैप का शिकार

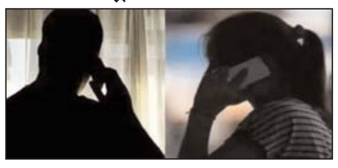

अलीगढ़। फेसबुक पर हुई दोस्ती एक युवक को महंगी पड़ गई। फ्लैट दिलाने का झांसा देकर बुलाने के बाद कथित तौर पर हनीट्रैप में फंसाकर उसके आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बना लिए गए। वीडियो वायरल करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की मांग की गई। डर के चलते पीड़ित दो लाख रुपये दे चुका है। पुलिस ने महिला और एक अधिवक्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़ित से करीब 10-12 दिन पहले पूजा नाम की महिला ने फेसबुक मैसेंजर के माध्यम से संपर्क किया था। 30 जुलाई को महिला ने फ्लैट दिलाने का बहाना बनाकर उसे क्वार्सी बाइपास स्थित स्वर्ण जयंती नगर बुलाया। आरोप है कि वहां उसे नशीला पदार्थ पिलाकर आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए गए। पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान महिला के साथ मौजूद लोगों ने उसकी सोने की अंगूठी, चेन और 12 हजार रुपये भी निकाल लिए। घर लौटने के बाद रात में महिला और अधिवक्ता अनूप कौशिक के नाम से फोन आया।

सिद्धार्थनगर में एक परिवार का बना फर्जी जाति प्रमाण पत्र निरस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद स्तरीय जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर उसका विकास क्षेत्र के सुगही ग्राम पंचायत के एक परिवार का बना सदस्यों का अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया है। यह कार्रवाई बरदहा ग्राम पंचायत के घुमैठा निवासी शिवम सिंह की शिकायत पर हुई है। पूर्व में भी इस प्रमाण पत्र को निरस्त कर दिया गया था कि लेकिन प्रभावित लोगों ने उच्च न्यायालय से इस मामले पर स्टे लाकर जिलाधिकारी के निर्णय को चुनौती दी थी। शिवम सिंह ने बताया उन्होंने न्यायालय के निर्णय के क्रम में पुनः शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने अपर जिलाधिकारी, एसडीएम, जिला समाज कल्याण अधिकारी, तहसीलदार और सतर्कता प्रकोष्ठ की समिति गठित कर जांच सौंप दी। समिति को जांच में मिला कि उसका बाजार विकास क्षेत्र के सुगही ग्राम पंचायत निवासी नंदलाल पिछड़ा वर्ग के कहार जाति से आते हैं। पुराने अभिलेखों में इनके बाबा और पिता की जाति कहार लिखी मिली है। इनके सगे चाचा और भतीजे वर्तमान समय में भी पिछड़े वर्ग के कहार जाति में ही हैं, लेकिन नंदलाल ने तथ्यगोपन कर अपने पूरे परिवार के लिए अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र बनवा लिया था।

जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति द्वारा की गई जांच के दौरान कई पुख्ता सबूत सामने आए। जांच टीम ने पुराने दस्तावेजों और साक्ष्यों को खंगाला, जिसमें 1333 व 1359 फसली वर्ष के राजस्व अभिलेखों, रजिस्ट्री दस्तावेज के अलावा, 2020 में बीडीओ और तहसीलदार के स्कूल के ट्रांसफर सर्टिफिकेट और ग्रामीणों के दर्ज बयानों को भी आधार बनाया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि पुख्ता सबूतों और दस्तावेजों की जांच में यह साफ साबित हो गया कि नंदलाल और उनका पूरा परिवार वास्तव में कहार जाति से संबंधित है। जबकि नंदलाल अपने अनुसूचित जनजाति के प्रमाण पत्र के पक्ष में पुराना, नया व महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत नही कर सके। जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति ने जांच में नंदलाल, सावित्री, मनोज कुमार, स्व. जितेंद्र कुमार, सुनैना, प्रिंस और मुस्कान के अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर बना पाया जिसे निरस्त कर दिया है।

विधायक के प्रयास से तुलसियापुर क्षेत्र को मिला नया विद्युत उपकेंद्र का तोहफा

ढेबरुआ पावर हाउस की होगी क्षमता वृद्धि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लाक के तुलसियापुर क्षेत्र में नया विद्युत उपकेंद्र बनेगा।इसके लिए शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा के प्रस्ताव पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने स्वीकृति प्रदान किया है। इसके अलावा ऊर्जा मंत्री ने ढेबरुआ पावर हाउस की क्षमता बढ़ाकर 132 केवीए करने की भी स्वीकृति दिया है।विद्युत सुविधा को बढ़ाने के लिए दोनों परियोजनाओं को स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने विधानसभा के मानसून सत्र में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री डा.एके शर्मा से मुलाकात कर उनसे बढ़नी ब्लाक के तुलसियापुर क्षेत्र में 33/11 केवीए का नया विद्युत उपकेंद्र व ढेबरुआ पावर हाउस की क्षमता बढ़ाकर 132 केवीए करने की मांग करते हुए उन्हें मांग पत्र सौंपा। उन्होंने मंत्री को बताया कि ढेबरुआ पावर हाउस से बढ़नी ब्लाक के लगभग 50 ग्राम पंचायतों को विद्युत आपूर्ति की जाती है जो कि एक बड़ा क्षेत्र है।

इसमें अधिकांश क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित रहता है। इसलिए तुलसियापुर क्षेत्र में विद्युत उपकेंद्र की आवश्यकता है। विधायक की दोनों मांगों पर ऊर्जा मंत्री ने स्वीकृति प्रदान कर दिया। इस संबंध में शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने कहा कि क्षेत्र में विद्युत सुविधाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए दोनों ही परियोजनाएं बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। ऊर्जा मंत्री ने शीघ्र ही सभी प्रक्रियाओं को पूरा करवाकर निर्माण कार्य शुरू करवाने का आश्वासन भी दिया है।

वेयरहाउस में अवैध मिट्टी डंपिंग का आरोप, जांच की उठी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जनपद के नदी पार दरेहटा गांव स्थित वीएल लॉजिस्टिक वेयरहाउस में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से मिट्टी डंप किए जाने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन से जांच की मांग की है। ग्रामीणों का दावा है कि वेयरहाउस परिसर में सैकड़ों डंपर मिट्टी जमा की गई है, जिसकी वैधता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। चर्चा है कि जैसे मौरंग और बालू की खदानों से निकलकर कहीं सुरक्षित जगह डंप कर मानसून सीजन में बेचकर फायदा कमाया जाता है ठीक वैसे ही मिट्टी खनन कर्ताओं ने अवैध तरीके से बिना किसी वैध अनुज्ञा के एक जगह डंप कर अब मंहगे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाया जा रहा है या सीधे तौर पर ये कहा जा सकता है कि सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है और खनन माफिया अपनी जेबें भर रहे हैं। आरोप है कि जिन खनन माफियाओं के पास कुछ वर्षों पूर्व मजबूत साइकिल नहीं थी आज वह लक्जरी फॉर्चूनर जैसी गाड़ियों से घूम रहे हैं, जिम्मेदारों की अनदेखी या मौन सहमति कही जाए जिससे धड़ल्ले से अवैध खनन होते चले आ रहे हैं और इनकी रोकथाम जिला प्रशासन से फिलहाल संभव प्रतीत नहीं होती दिख रही।

ग्रामीणों का आरोप है कि रात के समय जेसीबी और डंपरों के जरिए मिट्टी की डंपिंग की जाती है। उनका कहना है कि यह काम लंबे समय से चल रहा है, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय लोगों के अनुसार देर रात तक भारी वाहनों की आवाजाही से क्षेत्र के लोग भी परेशान हैं।

ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि लखनऊ के एक बिल्डर और बंथरा क्षेत्र से जुड़े एक खनन कारोबारी की ओर से मिट्टी यहां लाई जा रही है। साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि डंप की गई मिट्टी का उपयोग मोहनलालगंज रोड पर निर्माणाधीन एक रिसोर्ट में किया जाना है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि यदि वेयरहाउस में मिट्टी का भंडारण किया गया है तो इसके लिए आवश्यक अनुमति और अभिलेख क्या हैं। उन्होंने खनिज विभाग और जिला प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराए जाने, डंप की गई मिट्टी के स्रोत की जांच कराने तथा यदि अनियमितता मिले तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

दिल्ली से किशोरी का अपहरण कर मतांतरण और निकाह की साजिश, 5 गिरफ्तार

अलीगढ़। दिल्ली से हिंदू किशोरी को बहला-फुसलाकर लाने, उसका मतांतरण कर निकाह कराने के प्रयास में पुलिस ने गुरुवार को पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से पीड़िता का कथित आधार कार्ड भी बरामद किया है। अन्य आरोपों की भी जांच की जा रही है। तमिलनाडु की पीड़िता का भाई दक्षिणी दिल्ली के सराय काले खां में रहकर काम करता है। उसका आरोप है कि दिल्ली में ही गुर्जर चौक स्थित किराये के मकान में रहने वाला सफीक पिछले छह वर्षों से उसकी बहन को अपने प्रभाव में लेकर उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। किशोरी को बहला-फुसलाकर वह अलीगढ़ ले आया। बीते मंगलवार को उसका मतांतरण कर निकाह कराने की तैयारी थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लड़की को बरामद कर लिया था। बुधवार को पीड़िता के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मुख्य आरोपित सफीक, उसकी मां आमना, पिता कोतवाल, बानो व मस्जिद के मौलवी मोहम्मद तैयफ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। सीओ कमलेश कुमार ने बताया कि सफीक, आमना, कोतवाल, बानो और मौलवी मोहम्मद तैयफ को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों के संभावित अंतरराज्यीय नेटवर्क, बांग्लादेश कनेक्शन व संगठित मतांतरण गिरोह से जुड़े होने के आरोपों की भी जांच की जा रही है।